www.tamsasanket.com

वर्ष: 05 || अंक 293 || लखनऊ

सोमवार

26 जनवरी 2026 || पृष्ठ: 04 || मूल्य: ₹ 2

आज़ादी का अमृत महोत्सव

समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा

https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित

» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 06:54
सूर्यास्त: 05:43
अधिकतम: 21°00
न्यूनतम: 09°00

पेज 03 »

विशेष समाचार | भारतीय गणतंत्र की आधारशिला ... » पेज 02 | एमएलसी को टांगकर ले गई पुलिस ... » पेज 04 | बिना ऐश्वर्या राय के अधूरी थी 'ऐ दिल है ...

लखनऊ में सीएम योगी ने कहा- हमारे युवाओं के लिए पहचान का संकट हो गया था

'जो मुखिया 12-बजे सोकर उठे, उसके लिए सूर्योदय सपना'

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। सीएम योगी ने लखनऊ में कहा कि जिस प्रदेश का मुखिया 12 बजे सोकर उठता होगा, उसके लिए कोई सूर्योदय की बात करे तो वह सपना मानेगा। कहेगा कि क्या फिजूल की बात कर रहे हैं। उसको देश-दुनिया की कोई जानकारी नहीं होगी। वह इसे लेना भी नहीं चाहेगा। इससे उत्तर प्रदेश के नौजवान के आगे पहचान का संकट खड़ा होता था। उनको पता ही नहीं था कि उनके समय में बेसिक शिक्षा बंजर हो चुकी थी। माध्यमिक शिक्षा नकल का अड्डा बन चुकी थी। कुछ चंद माफिया युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करते थे। हमारे समय में माफिया को जब क्रैश किया गया, नकल माफिया पर सख्ती की गई।

» (शेष पेज 04 पर)

18,78,726
छात्र-छात्राओं के बैंक खातों में

944.55 करोड़
की छात्रवृत्ति और शुल्क प्रतिपूर्ति भेजी गई

मुख्यमंत्री ने कहा कि छात्रवृत्ति केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और भविष्य की नींव है। प्रदेश सरकार शिक्षा को सामाजिक न्याय और समावेशी विकास का सबसे मजबूत माध्यम मानती है।

तीन विभागों का संयुक्त आयोजन

छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम का आयोजन पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, समाज कल्याण विभाग और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए निरंतर सहयोग प्रदान करना और पढ़ाई के दौरान आने वाली आर्थिक बाधाओं को दूर करना रहा। मुस्लिम वक्फ एवं हज राज्य मंत्री दानिश आज़ाद अंसारी उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, अभिभावक और विभागीय अधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

पहले नीयत साफ नहीं थी, आज व्यवस्था जवाबदेह है

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पहले सरकारों की नीयत साफ नहीं रहती थी। अपने-पराए का भेद किया जाता था और परिवारवाद के कारण योजनाएं सही लोगों तक नहीं पहुंच पाती थीं। अगर योजना ऊपर से निकल भी जाती थी तो नीचे भ्रष्ट तंत्र उसे रोक लेता था।

सीएम योगी ने कहा- गरीब का बच्चा और निराश्रित बच्चा भी अब वर्ल्ड क्लास इन्फ्रास्ट्रक्चर विद्यालयों में पढ़ेगा। अटल आवासीय विद्यालय की तर्ज पर सीएम कंपोजिट विद्यालय योजना शुरू की है। हमने एक-एक विद्यालय को 30-30 करोड़ रुपए दिए हैं। कहा है कि बच्चों को वर्ल्ड क्लास सुविधा दी जानी चाहिए। कस्तूरबा गांधी विद्यालय में गरीब की बेटियां पढ़ती थीं। वह कक्षा-8 तक ही था। हमने कहा- नहीं, इसे इंटरमीडिएट तक किया जाए। आज वहां बेटियां 12वीं तक पढ़ रही हैं। इतना ही नहीं, हमने केवल इन्फ्रास्ट्रक्चर पर ध्यान नहीं दिया, बल्कि क्वालिटी एजुकेशन पर भी ध्यान दिया। नई शिक्षा नीति-2020 के तहत सभी पाठ्यक्रम हैं।

बेटियों ने क्रिकेट वर्ल्ड कप जीतकर रिकॉर्ड बनाया : मुर्मू

देश के विकास में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी, भारत जल्द दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनेगा

संबोधन

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। 77वां गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने देश को संबोधन किया। इस दौरान उन्होंने गणतंत्र दिवस की बधाई देते हुए कहा कि ये उत्सव देशवासियों में राष्ट्रीय एकता तथा गौरव की भावना को मजबूत बनाता है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि इस साल गणतंत्र दिवस के साथ-साथ वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने का उत्सव भी मनाया जा रहा है। गणतंत्र दिवस का यह पवित्र दिन हमें देश के अतीत, वर्तमान और भविष्य पर सोचने और समझने का मौका देता है। समय के साथ हमारे देश की हालत बदली है। भारत आजाद हुआ और हम खुद अपने देश के भविष्य को तय करने वाले बने। उन्होंने कहा कि देश के विकास में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। 57 करोड़ जन-धन अकाउंट में 56 फीसदी महिलाओं के अकाउंट हैं। 10 करोड़ से ज्यादा सेल्फ हेल्प ग्रुप हैं। खेल-कूद में हमारी बेटियों ने रिकॉर्ड बनाए हैं। महिला क्रिकेट टीम ने ICC क्रिकेट वर्ल्ड कप, ब्लाइंड वर्ल्ड कप जीता है। नारी शक्ति कानून से देश की महिलाएं और सशक्त होंगी। हमारी परंपरा में हमेशा पूरी सृष्टि में शांति बनाए रखने की प्रार्थना की जाती रही है। अगर दुनिया में शांति रहेगी तभी मानवता का भविष्य सुरक्षित होगा। आज जब दुनिया के कई हिस्सों में अशांति फैली हुई है, ऐसे समय में भारत शांति और भाईचारे का संदेश पूरे विश्व तक पहुंचा रहा है।

» (शेष पेज 04 पर)

रोहिणी बोलीं- जिम्मेदारी संभालने वाले अपने गिरेबान में झांकें, मुंह छिपाने की बजाय जवाब दें

तेजस्वी बने आरजेडी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष

चर्चा

तमसा संकेत, एजेंसी

पटना। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को RJD का राष्ट्रीय कार्यकारी (कार्यवाहक) अध्यक्ष बनाया गया है। पटना के होटल मौर्य में RJD की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में भोला यादव ने प्रस्ताव रखा, जिस पर सभी नेताओं ने सहमति जताई। बैठक में लालू प्रसाद, राबड़ी देवी, मीसा भारती, संजय यादव समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। इस बैठक में बिहार चुनाव में मिली हार पर भी चर्चा हुई, जिस पर तेजस्वी ने कहा कि हमें सबकुछ भूलकर आगे बढ़ना है। उन्होंने अपने भाषण के दौरान कहा कि या तो नरेंद्र मोदी के चरण में रहिए या फिर उनसे लड़िए। चाचा जी तो चरण में चले गए हैं, वीडियो सबने देखा होगा, लेकिन हम नहीं झुकेंगे। राजद सुप्रीमो लालू यादव ने कहा, 'तेजस्वी यादव जब पद पर नहीं थे, तब भी काफी अच्छा काम कर रहे थे। अब और ज्यादा बढ़िया से कम करेंगे। सबको मिलकर संगठन को मजबूत करना है। आगे सबको लड़ना है और जीतना है। इधर, तेजस्वी के कार्यकारी अध्यक्ष बनने पर रोहिणी ने तंज भरे लहजे में शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने X पर लिखा, 'गिरोह-ए-घुसपैठ की कठपुतली बने शहजादे को ताजपोशी मुबारक...।' तेजस्वी यादव पहले से ही पार्टी के अधिकतर महत्वपूर्ण निर्णय ले रहे हैं। संगठनात्मक मामलों से लेकर राजनीतिक रणनीति तक उनकी भूमिका लगातार मजबूत होती जा रही है। पार्टी के भीतर भी उन्हें भविष्य के नेता के तौर पर देखा जा रहा है। सूत्रों का कहना है कि विधानसभा चुनाव में पार्टी के खिलाफ काम करने वाले नेताओं पर कार्रवाई को लेकर भी बैठक में गंभीर चर्चा हो सकती है।

» (शेष पेज 04 पर)

"राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने कहा कि, तेजस्वी यादव जब पद पर नहीं थे, तब भी काफी अच्छा काम कर रहे थे। अब और ज्यादा बढ़िया से कम कर सकेंगे। सबको मिलकर संगठन को मजबूत करना है।

रोहिणी ने लिखा- लालूवाद को तहस-नहस किया जा रहा

इधर, बैठक से पहले रोहिणी ने X पर लिखा, जिसे सही मायने में लालू यादव की विचारधारा को आगे ले जाने की परवाह होगी, वह जरूर पार्टी की मौजूदा स्थिति को लेकर जिम्मेवार लोगों से सवाल करेगा। वर्त्तमान की कड़वी , चिंताजनक एवं दुःखद सच्चाई यही है कि आज जनता के हक -हकूक की लड़ाई लड़ने के लिए जानी जाने वाली, जन-जन की पार्टी की असली कमान फासीवादी विरोधियों के द्वारा भेजे गए वैसे घुसपैठियों-साजिशकर्ताओं के हाथों में है , जिन्हें लालूवाद को तहस -नहस करने के टास्क के साथ भेजा गया है। कब्जा जमाए बैठे ऐसे लोग अपने गंदे मकसद में काफी हद तक सफल होते भी दिखते हैं। नेतृत्व की जिम्मेदारी संभाल रहे व्यक्ति को सवालों से भागने,सवालों से बचने,जवाब देने से मुंह चुराने, जवाब देने की बजाए भ्रम फैलाने, लालूवाद और पार्टी की हित की बात करने वालों के साथ दुर्व्यवहार, अभद्र आचरण, अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने की बजाए अपने गिरेबान में झांकना होगा और अगर ₹वो₹ चुप्पी साधता है, तो उस पर साजिश करने वाले गिरोह के साथ मिलीभगत का दोष और आरोप खुद ही साबित होता है ..

तेजस्वी बोले- लालू जी आजतक किसी के आगे नही झुके

कार्यकारी अध्यक्ष बनने के बाद तेजस्वी यादव ने कहा, लालू जी इतने सालों से राजनीति मे हैं, लेकिन आजतक अपनी विचारधारा के आगे न झुके हैं और न झुकने वाले हैं। हमें भी नहीं झुकना है। हमलोग सब लोग मिलकर लड़ेंगे। इस दौरान उन्होंने कहा, छोड़ो कल की बातें....अब सबकुछ भूलकर आगे बढ़ना है और लड़ना है। बैठक के दौरान तेजस्वी ने कहा CM नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा, नरेंद्र मोदी के चरण में रहिए या फिर उनसे लड़िये। चाचा जी तो चरण में चले गए हैं, लेकिन हम लोग नहीं गए।

27 राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष बैठक में शामिल हुए

आरजेडी की बैठक में देश के 27 राज्यों के प्रदेश अध्यक्ष भाग लेने के लिए पटना आए हुए हैं। इनके अलावा राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य हिस्सा लेंगे। इसमें 200 से अधिक डेलिगेट्स भाग ले रहे हैं। बाहर से आए नेताओं को होटल मौर्या में ठहराया गया है। रघुनाथपुर से विधायक ओसामा शहाब भी राजद कार्यकारिणी की बैठक में शामिल होने पटना के होटल मौर्या पहुंचे हैं। पटना के होटल मौर्या में RJD की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक चल रही है। इसमें तेजस्वी यादव को पार्टी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। भोला यादव ने इसका प्रस्ताव रखा। बैठक में बिहार चुनाव में मिली हार पर भी मंथन चल रहा है।

"नीट छात्रा मामले में सरकार पर करारा तंज कसते हुए राजद नेता मुकेश रोशन ने कहा, भाजपा के जो लोग हैं, जो सत्ता में बैठे हुए लोग हैं, ये लोग जिम्मेदारी और जवाबदेही से भाग रहे हैं। इन लोगों को बताना चाहिए कि जो नीट की छात्रा तैयारी कर रही थी, उसका रेप करके हत्या कर दिया गया। उस पर जवाब देना चाहिए। जो सत्ता में बैठे हुए लोग हैं। जब मीडिया सवाल करते हैं तो वो लोग कहते हैं- हर हर महादेव, जय श्रीराम, भारत माता की जय। अरे भाई, सवाल का जवाब दीजिए।'

तेजस्वी को आरजेडी के सभी नेता-कार्यकर्ता सहयोग करेंगे- मीसा भारती

तेजस्वी यादव को राजद का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर RJD सांसद मीसा भारती ने कहा, 'पार्टी के लिए और बिहार के लोगों के लिए यह बहुत खुशी की बात है कि राष्ट्रीय जनता दल को अब एक कार्यकारी अध्यक्ष मिले हैं। बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। मुझे लगता है कि सभी नेता इस जिम्मेदारी को आगे बढ़ाने में सहयोग करेंगे। सभी कार्यकर्ता भी इसमें सहयोग करेंगे।' लालू प्रसाद यादव स्वास्थ्य कारणों से आगे अध्यक्ष नहीं रहना चाहते।

फास्ट न्यूज

बेटियों से कह दो बुर्के वाली मत बनना : धीरेंद्र शास्त्री

कोटा। कथावाचक आचार्य धीरेंद्र शास्त्री ने कहा– हमें गाय की सेवा करनी है। हमें गाय, गंगा, गुरु, गायत्री और गीता की रक्षा करनी है। इन पांच की रक्षा कर ली तो अपने सनातन की रक्षा कर लोगे। इनकी रक्षा कर ली तो समाज बचेगा। उन्होंने कहा– मैं तो एक और बात जोड़ता हूं कि इन पांच के साथ गौरी को भी बचाओ। बेटियों को भी बचाओ। उन्हें लव जिहाद से बचाओ। बेटियों से कह दो कि दुर्गा बन, काली बन, लेकिन बुर्के वाली वाली मत बनना।

जजों का तबादला न्यायपालिका का आंतरिक मामला : सुप्रीम कोर्ट जज

पुणे। सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने रविवार को कहा कि जजों का ट्रांसफर न्यायपालिका का आंतरिक मामला है। इसमें सरकार या केंद्र की कोई भूमिका नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार के खिलाफ फैसले देने वाले जजों का तबादला करना न्यायपालिका की स्वतंत्रता पर सीधा हस्तक्षेप है। जस्टिस भुइयां पुणे के ILS लॉ कॉलेज में प्रिंसिपल जीवी पंडित मेमोरियल लेक्चर में शामिल हुए थे। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में जस्टिस श्रीधरन सीनियरिटी के आधार पर कॉलेजियम का हिस्सा बनते, जबकि इलाहाबाद हाईकोर्ट में उनकी सीनियरिटी काफी नीचे थी।

अवकाश की सूचना

26 जनवरी 2026 गणतन्त्र दिवस अवसर पर 'तमसा संकेत' के सुधी पाठकों, विज्ञापन दाता व समाचार पत्र वितरक बंधुओं और प्रदेशवासियों को ढेरों शुभकामनाएं।

26 जनवरी 2026, सोमवार को गणतन्त्र दिवस के राष्ट्रीय पर्व के कारण तमसा संकेत कार्यालय बंद रहेगा।

अतः अगला अंक 28 जनवरी 2026 बुधवार को प्रकाशित होगा।

–संपादक

धर्मेन्द्र को पद्म विभूषण, रोहित शर्मा को पद्मश्री सम्मान

शिबू सोरेन-अलका याग्निक को पद्म भूषण, 131 हस्तियों को पद्म पुरस्कार का ऐलान

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर रविवार को 2026 के लिए 131 पद्म पुरस्कारों का ऐलान किया। इनमें 5 पद्म विभूषण, 13 पद्म भूषण और 113 पद्मश्री शामिल हैं। दिवंगत एक्टर धर्मेंद्र को पद्म विभूषण, झारखंड के पूर्व सीएम दिवंगत नेता शिबू सोरेन और बॉलीवुड सिंगर अलका याग्निक को पद्म भूषण दिया जाएगा। क्रिकेटर रोहित शर्मा, पैरा एथलीट प्रवीण कुमार, महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर और हॉकी प्लेयर सविता पूनिया को पद्मश्री से सम्मानित किया जाएगा। पद्म पुरस्कार विजेताओं में से 19 महिलाएं हैं। इनमें 6 विदेशी/NRI/PIO/OCI कैटेगरी के लोग भी हैं। 16 हस्तियां ऐसी हैं, जिन्हें मरणोपरांत पुरस्कार दिए जा रहे हैं। दिवंगत एक्टर धर्मेंद्र, सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज केटी थॉमस, कम्युनिस्ट नेता और केरल के पूर्व मुख्यमंत्री वीएस अच्युतानंदन समेत 5 हस्तियों को पद्म विभूषण अवॉर्ड की घोषणा की गई है। मशहूर सिंगर अल्का याग्निक, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन, उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी समेत 13 हस्तियों को पद्म भूषण सम्मान दिया जाएगा। राजस्थान के डीग जिले के रहने वाले गफरुद्दीन मेवाती जोगी भपंग वादक और 'पांडुन का कड़ा' गायक हैं।

धर्मेन्द्र

विरोध : इसे थोपने का हमेशा विरोध करेंगे ■ तमिल के लिए हमारा प्यार कभी नहीं मरेगा

तमिलनाडु में हिंदी के लिए कोई जगह नहीं : स्टालिन

तमसा संकेत, एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और DMK अध्यक्ष एम के स्टालिन ने तमिल भाषा शहीद दिवस पर रविवार को राज्य के भाषा शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि यहां हिंदी के लिए कभी भी कोई जगह नहीं होगी। उन्होंने आगे कहा कि हम इसे थोपने का हमेशा विरोध करेंगे। तमिल भाषा के लिए हमारा प्यार कभी नहीं मरेगा। स्टालिन ने कहा कि जब भी हिंदी को हम पर थोपा गया, इसका उसी तेजी से विरोध भी किया गया। CM ने कहा कि मैं उन शहीदों को कृतज्ञतापूर्वक सम्मान देता हूं जिन्होंने तमिल के लिए अपनी कीमती जान दे दी। भाषा युद्ध में अब और कोई जान नहीं जाएगी। तमिलनाडु CM ने भाषा शहीद दिवस के मौके पर X पर हिंदी विरोधी आंदोलन से जुड़े इतिहास का एक छोटा वीडियो शेयर किया। इसमें 1965 में हिंदी के विरोध में हुए संघर्ष से जुड़ी तस्वीरें हैं। स्टालिन ने आगे कहा कि तमिलनाडु ने हिंदी विरोधी आंदोलन का नेतृत्व करके उपमहाद्वीप में विभिन्न भाषाई राष्ट्रीय जातियों के अधिकार और पहचान की रक्षा की। भाषा शहीदों का मतलब उन लोगों से है जिन्होंने 1964-65 में पूरे तमिलनाडु में हिंदी विरोधी आंदोलन के दौरान, मुख्य रूप से आत्मदाह करके अपनी जान कुर्बान कर दी थी।

हिंदी पर बैन के लिए विधानसभा में बिल लाने वाले थे स्टालिन

तमिलनाडु सरकार अक्टूबर में विधानसभा में राज्य में हिंदी भाषा के इस्तेमाल पर बैन वाला बिल लाने वाली थी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बोर्ड, फिल्मों और गानों पर बैन लगाना चाहती है। सरकार ने इस बिल पर चर्चा के लिए कानूनी विशेषज्ञों के साथ एक इमरजेंसी मीटिंग बुलाई थी। इसके बाद से हिंदी पर बैन की अटकलें तेज थीं। स्टालिन ने आगे कहा कि तमिलनाडु ने हिंदी विरोधी आंदोलन का नेतृत्व करके उपमहाद्वीप में विभिन्न भाषाई राष्ट्रीय जातियों के अधिकार और पहचान की रक्षा की।

भाषा को लेकर केंद्र से लंबे समय से चल रहा विवाद

तमिलनाडु की स्टालिन सरकार और केंद्र के बीच लंबे समय से राज्य में हिंदी भाषा के इस्तेमाल को लेकर तकरार चल रही है। पिछले साल मार्च में CM स्टालिन ने स्टेट बजट 2025-26 के सिंबल से रुपए का सिंबल हटाकर तमिल अक्षर (तमिल भाषा में रुपए को दर्शाने वाले 'रुबाई' का पहला अक्षर) लगा दिया था। CM स्टालिन केंद्र सरकार की 3 भाषा फार्मूले (Three Language Policy) का विरोध करते रहे हैं। उन्होंने कई बार भाजपा पर राज्य के लोगों पर हिंदी थोपने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा था कि राज्य की दो-भाषा नीति (तमिल और अंग्रेजी) से शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार को फायदा हुआ हुआ है।

एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला को अशोक चक्र

सेना के 3 अफसरों को कीर्ति चक्र, 13 को शौर्य चक्र, 982 पुलिस कर्मियों को सेवा मेडल

घोषणा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस के एक दिन पहले रविवार को केंद्र सरकार ने गैलेंट्री अवॉर्ड्स और सर्विस मेडल की घोषणा की। एस्ट्रोनॉट और एयरफोर्स में ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को अशोक चक्र से सम्मानित किया जाएगा। वहीं तीन अधिकारियों को कीर्ति चक्र और 13 को शौर्य चक्र दिया जाएगा। इस बार पुलिस, फायर ब्रिगेड, होम गार्ड, सिविल डिफेंस और करेक्शनल सर्विस से जुड़े 982 कर्मियों को बेहतरीन (उत्कृष्ट) सेवा के लिए सम्मानित किया जाएगा। इनमें 125 वीरता पदक (गैलेंट्री मेडल्स) भी शामिल हैं। सबसे ज्यादा 45 वीरता पदक जम्मू और कश्मीर ऑपरेशन थिएटर में तैनात कर्मियों को दिए गए हैं। यहां ऑपरेशन थिएटर का मतलब वह जगह या इलाका, जहां लंबे समय तक आतंकवाद, घुसपैठ के खिलाफ और कानून-व्यवस्था से जुड़े ऑपरेशन चलते रहते हैं। नक्सल हिंसा प्रभावित क्षेत्रों के 35 और पूर्वोत्तर क्षेत्र में तैनात 5 कर्मियों को इन पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। फायर ब्रिगेड सर्विस के 4 बचावकर्मियों को भी वीरता पदक के लिए चुना गया। 101 प्रेसिडेंट मेडल (PSM): 89 पुलिस, 5 फायर ब्रिगेड, 3 सिविल डिफेंस/होम गार्ड और 4 करेक्शनल सर्विस कर्मी 756 मेरिटोरियस सर्विस मेडल (MSM): 664 पुलिस, 34 फायर ब्रिगेड, 33 सिविल डिफेंस/होम गार्ड और 25 करेक्शनल सर्विसकर्मी। केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (CAPF) में CRPF एकमात्र फोर्स है जिसे 12 पदकों के साथ वीरता पुरस्कार मिले हैं। CBI के 31 अधिकारियों को प्रेसिडेंट मेडल और मेरिटोरियस मेडल मिले हैं। इनमें आरजी कर रेप-मर्डर केस की जांच करने वाले CBI के जॉइंट डायरेक्टर वी चंद्रशेखर भी शामिल हैं। चंद्रशेखर ने कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर के रेप-मर्डर केस की जांच की थी। जम्मू-कश्मीर पुलिस को सबसे ज्यादा 33 वीरता पदक मिले हैं। इसके बाद महाराष्ट्र पुलिस (31), उत्तर प्रदेश पुलिस (18) और दिल्ली पुलिस (14) का स्थान है।

- शुभांशु शुक्ला एयरफोर्स में ग्रुप कैप्टन हैं। वह पिछले साल अंतरिक्ष में गए थे।
- वी चंद्रशेखर वर्तमान में दिल्ली जोन में सीबीआई हेड के पद पर कार्यरत हैं।

सम्पादकीय

संविधान के प्रति राजनीतिक जागरूकता पर्याप्त नहीं

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। ब्रिटिश आधिपत्य से स्वाधीनता के समय भारत के नेतृत्व ने भावी पीढ़ियों के शासन-प्रशासन हेतु एक संविधान का निर्माण किया। दो वर्ष, 11 महीने और 18 दिन तक संविधान सभा की बैठकें हुईं। उसके परिणामस्वरूप हमें विश्व का विशालतम संविधान प्राप्त हुआ नौ दिसंबर 1946 से प्रारंभ कर 26 नवंबर 1949 तक हमारे संविधान निर्माताओं ने भारत के राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक जीवन के विभिन्न आयामों पर वृहद विचार विमर्श किया। उन्होंने विश्व के अनेक विद्यमान संविधानों का भी गहन अध्ययन किया और भारत के संविधान में संसार भर के संविधानों के श्रेष्ठ और स्वीकार्य तत्व सम्मिलित किए गए। इस प्रकार भारत का संविधान ऐसा अभिलेख बन गया जो विश्व की श्रेष्ठतम लोकतांत्रिक संस्थाओं और परंपराओं का सहज समावेश करता है। भारतीय संविधान की निर्मिति में संलग्न लगभग 300 व्यक्तियों की ओर दृष्टिपात करें तो यह ध्यान में आता है कि तत्कालीन भारत की श्रेष्ठतम मेधा, मनीषा, प्रतिभा संविधान सभा में उपलब्ध थी। वह संविधान सभा अनेक विचारधाराओं, क्षेत्रों, मतावलंबियों, भाषा-भाषियों, आजीविकाओं, समुदायों, संप्रदायों, राज-व्यवस्थाओं और रुचियों का प्रतिनिधित्व करती थी। वहां राजनेता, साहित्यकार, लेखक, उपन्यासकार, दार्शनिक, वकील, चिकित्सक, किसान, आदिवासी सभी प्रकार के व्यक्ति थे। उन सबने लगभग प्रत्येक शब्द, प्रत्येक अनुच्छेद, प्रत्येक संस्था और प्रत्येक नियम-विधि पर गहन और गंभीर वाद विवाद भी किया। इसका ही परिणाम हुआ कि भारतीय संविधान अपनी प्रस्तावना में ही अपने दार्शनिक मूल्यों और व्यावहारिक आधार की स्पष्ट उद्घोषणा करता है। वह एक संपूर्ण प्रभुत्व संपन्न लोकतांत्रिक गणराज्य की स्थापना का उद्घोष करता है। कालांतर में 1976 में आंतरिक आपातकाल में यहां पंथनिरपेक्ष और समाजवादी शब्द भी जोड़ दिए गए। यह संविधान भारत के समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय के साथ-साथ विचार अभिव्यक्ति, आस्था, विश्वास तथा उपासना की स्वतंत्रता तथा स्तर और अवसर की समानता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह संविधान भारत के नागरिकों में आपसी बंधुता बनाए रखने को कटिबद्ध है। यह भारत की राष्ट्रीय एकता और अक्षुण्णता बनाने के लिए संकल्पित है। भारतीय संविधान अपने चरित्र में कठोरता और नमनीयता के सम्मिश्रण से युक्त है। वह समकालीनता की अपेक्षाओं और परिवर्तनशील युगीन आकांक्षाओं के अनुरूप स्वयं को रूपांतरित करने में सक्षम है। वह अनेक प्रविधानों और उपबंधों के रूप में सामाजिक परिवर्तन का प्रमुखतम संवाहक भी बन गया है। वह भारत के प्रशासनिक नियमन का मुख्यतम स्रोत तथा आधार है। वह देश के सभी राजनीतिक तथा शासकीय संस्थानों का दिशा निर्देशक उपकरण है। वह भारत की सांस्कृतिक परंपरा की रक्षा के भी प्रयास करता है तो आधुनिकता के आग्रहों का भी यथेष्ट सम्मान करता है। भारत का संविधान अपने 395 अनुच्छेदों, 22 भागों तथा 12 अनुसूचियों में भारतीय सामाजिक, आर्थिक तथा राजनीतिक जीवन के अनेक प्रश्नों को संबोधित करता है। भारतीय संविधान ने लगभग सवा सौ संशोधनों के माध्यम से स्वयं को नवीन आवश्यकताओं के अनुरूप ढाला है। भारतवर्ष के नागरिकों को समानता, स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति, धार्मिक मान्यता आदि के अधिकार संविधान से ही प्राप्त होते हैं। इन मौलिक अधिकारों की रक्षा का दायित्व भी संविधान भारतीय न्यायपालिका को प्रदान करता है। भारत में एक स्वतंत्र न्यायपालिका इस संविधान की व्याख्या और रक्षा के पुनीत अधिकार से संपन्न है। नागरिकता के प्रश्न भी भारतीय संविधान ही संबोधित करता है। एक स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्वाचन आयोग की संकल्पना संवैधानिक लोकतंत्र की संरचनात्मक आश्वस्ति बनती है। भारतवर्ष की वित्तीय संरचना, कार्यप्रणाली और व्यवहार के स्वायत्त पर्यवेक्षण, निरीक्षण तथा अंकेक्षण हेतु एक नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की व्यवस्था भी संविधान करता है। राज्य अपनी नीति-निर्माण प्रक्रिया में किन मूल्यों तथा सिद्धांतों को ध्यान में रखे - इसके लिए राज्य के नीति निर्देशक तत्वों की व्यवस्था की गई है। संसदीय प्रणाली के अंतर्गत विभिन्न संस्थाओं, उपकरणों, अधिकरणों आदि का गठन करते हुए भारतीय संविधान आधुनिक भारत का सर्वप्रमुख नीतिग्रंथ और मार्गदर्शन केंद्र बन गया है। आधुनिक समय में 26 नवंबर को संविधान दिवस मनाए जाने की घोषणा के बाद से दसेक वर्षों में भारतीय संविधान के प्रति जागरूकता में वृद्धि हुई है। गणतंत्र दिवस पर भी हम अपने संविधान निर्माताओं का श्रद्धापूर्वक स्मरण करते हैं। साथ ही इस दिन हम संविधान के प्रति अपने सम्मान और निष्ठा की शपथ भी लेते हैं। परंतु फिर भी प्रायः संविधान को मात्र विधि, न्यायालय, राजनीति विज्ञान तथा राजनीतियों की विषयवस्तु मान लिया जाता है। जबकि सत्य और तथ्य यह है कि हमारे जीवन के लगभग प्रत्येक आयाम को भारतीय संवैधानिक व्यवस्था स्पष्टतः स्पर्श करती है। इसलिए भारतीय संविधान के प्रति जागरूकता हमारी सामूहिक आवश्यकता है। कतिपय लोगों द्वारा प्रतिदिन 'संविधान पर खतरा', 'संविधान से छल', 'संविधान का विरोध', 'संविधान की धज्जियां' आदि नारे लगाकर भ्रम उत्पन्न किया जाता है। संविधानिक निकायों में संविधान की प्रतियां लहराई जाती हैं। ऐसे में यह जानना अनिवार्य है कि संविधान में वास्तव में क्या लिखा है- यह समझना आवश्यक है। संविधान को वस्तुतः किससे खतरा है, किसने संविधान पर असली हमला किया, कौन संविधान की धज्जियां उड़ाता रहा है, ऐसे प्रश्नों को ठीक से परखना जरूरी है।

भारतीय गणतंत्र की आधारशिला महिलाएं

> “महिलाओं के महान त्याग और बलिदान के आदर्श को हम समझें और भेदभाव रहित समाज निर्माण में अपनी भूमिका निर्वहन करें तभी उनका महनीय अवदान सार्थक हो सकेगा।

गणतंत्र भारत के निवासी होने के कारण हमें कर्म और अभिव्यक्ति की आजादी प्राप्त है पर इस आजादी के लिए हमारे पुरखों ने मूल्य चुकाया है। अंग्रेजों के विरुद्ध आजादी की लड़ाई में पुरुषों के साथ ही महिलाओं ने भी सक्रिय भाग लिया और स्वतंत्रता की बलिवेदी पर अपने प्राणों की आहुति दी थी। यह उनके देश प्रेम का परिचायक तो था ही, साथ ही उनकी सामाजिक-राजनीतिक चेतना का प्रखर स्वर भी था। भारतीय स्वतंत्रता के इतिहास के गगन में अनेक महिलाओं के नाम देदीप्यमान हैं। आजाद हिन्द फौज की महिला पल्टन की सशस्त्र वीरांगनाएं हों, क्रान्किारियों की सतत सहायता करने वाली वीर बालाएँ हों या फिर राजनीति के माध्यम से समाज जागरण का शंखनाद करने का महत्वपूर्ण काम, वे हर कहीं सफल रही हैं और अपनी छाप छोड़ी हैं। अपने शौर्य, मेधा, कर्मठता और चातुर्य से भारतीय गणतंत्र के निर्माण में महिलाओं का योगदान वरेण्य है। 'मैं कित्तूर नहीं दूँगी' का उद्घोष करने वाली कित्तूर की रानी चेन्नम्मा का नाम बड़े आदर और सम्मान से लिया जाता है। कर्नाटक के कित्तूर में सन् 1778 ई. में जन्मी चेन्नम्मा ने बचपन से युद्ध संचालन सीखा था। संस्कृत, मराठी और कन्नड में पारंगत चेन्नम्मा का विवाह दक्षिण भारत के समृद्ध राज्य कित्तूर के राजा मल्लसर्ज के साथ हुआ। राजा निःसंतान स्वर्ग सिधार गये। अंग्रेजों ने राज्य को हड़पने के लिए रानी को राज्य छोड़कर जाने का आदेश दिया। रानी नहीं मानीं। फलतः सितम्बर 1824 ई. में धारवाड़ के कलेक्टर थैकरे ने 500 सिपाहियों के साथ किले को घेर लिया। भयंकर युद्ध में रानी पकड़ी गईं और जेल में डाल भीषण यातनाएं दी गईं और वहीं 21 फरवरी, 1825 ई. को रानी के प्राण-पखेरू उड़ गये। वाराणसी में 19.11.1835 को जन्मी मनु को एक दिन इतिहास रानी लक्ष्मीबाई के रूप में याद रखेगा, यह कौन जानता था। झाँसी के राजा गंगाधर राव से विवाह हुआ पर वह लक्ष्मीबाई को निःसंतान अकेला छोडकर चल बसे। 1854 ई. को अंग्रेज अधिकारियों के रानी को झाँसी छोड़ देने का हुक्म के जवाब में रानी ने दृढता से कहा, ''मैं अपनी झाँसी नहीं दूँगी।'' अंग्रेजों को तो बहाना चाहिए था। युद्ध प्रारम्भ हुआ। रानी बड़ी वीरता से लड़ रहीं थीं लेकिन एक सैनिक द्वारा लालचवश किले का द्वार खोल देने के कारण रानी को किला छोड़ना पड़ा। अंग्रेजी सेना ने रानी का पीछा किया। कालपी और ग्वालियर में आमने-सामने भयंकर युद्ध हुआ। घायल रानी अपने दत्तक पुत्र को पीठ पर बाँधे, घोड़े की लगाम मुँह में पकड़े, दोनों हाथों से तलवार चलाती अंग्रेज सैनिकों को मारती-चीरती रास्ता बनाती आगे बढ़ती जा रही थीं। घायल अवस्था में बाबा गंगादास की कुटी में आश्रय लिया और वहीं प्राण निकल गये। वह कुटी रानी की अन्त्येष्टि की समिधा बन जलकर देशप्रेमियों के लिए पावन हो गई। रानी लक्ष्मीबाई की हमशक्ल 1830 ई. में जन्मी झलकारी का विवाह रानी लक्ष्मीबाई के तोपची पूरन सिंह के साथ हुआ था। प्रारम्भिक जीवन जंगल में बीता, इस कारण धीरता, वीरता और चपलता के गुण उसे प्रकृति के सान्निध्य में ही मिल गये थे। रानी जब अंग्रेजों द्वारा किले में घेर ली गई तो झलकारी बाई रानी के वस्त्र धारण कर युद्धक्षेत्र में उतर गईं और रानी सुरक्षित निकल गईं। कालपी और ग्वालियर में युद्ध कर अंग्रेजी सेना को रोकने की भरपूर कोशिश की और राष्ट्र रक्षा के लिए अपने प्राण उत्सर्ग कर दिये। लक्ष्मीबाई की महिला सेना की कमांडर जूही तोपखाना सँभालती रहीं और रानी के साथ ही किले से बाहर निकलीं। अन्त तक उनके साथ रहकर अंग्रेजों को आगे बढ़ने न दिया। इसी तरह रानी के व्यक्तिगत रक्षादल की कमांडर मुन्दर ने रानी के साथ ही प्राण त्यागे और उसका भी गंगादास की कुटी में अंतिम संस्कार हुआ। अवंतिका बाई लोधी मांडला क्षेत्र के रामगढ राज्य के अंतिम राजा लक्ष्मण सिह की रानी थीं। राजा की मृत्यु के बाद पुत्र विक्रमजीत राजकाज न चला सका। अंग्रेज कमिश्नर ने रानी को पत्र लिखा कि कलेक्टर से मिलकर सरकार से संधि कर पेंशन लेकर राज्य सौप दें अन्यथा परिणाम भुगतें। रानी के स्वाभिमान को यह स्वीकार न था फलतः अप्रैल 1858 ई. में अंग्रेजी सेना के साथ भयंकर युद्ध हुआ। रानी ने स्वयं युद्ध किया पर अपनी हार को देखते हुए रानी ने जंगलों की शरण ली और वहीं से गुरिल्ला युद्ध करती रहीं। नाना साहब की 12 वर्षीय बेटी मैना की चर्चा किए बिना वीरांगनाओं की यह मलिका अधूरी ही रहेगी। नाना साहब को पकड़ने बिठूर गई अंग्रेजी सेना नाना जी को ना पाकर गुस्से में बिठूर के किले को ध्वस्त कर दिया और आग लगा दी। इसी बीच उनकी बेटी मैना हाथ लग गई। उससे नाना साहब का पता ठिकाना पूछने पर मैना ने कहा कि उसे नहीं मालम और मालूम भी होता तो उन्हें नहीं बताती। इतना सुनकर अंग्रेज अधिकारी भड़क गया और मैना को भभकती आग में उछाल दिया, देखते ही देखते वह वीर कन्या आग की धधकती लपटों में समा गई। धन्य है भारत की वह बेटी। अवध के नवाब वाजिद अली शाह की बेगम हजरत महल का नाम भी भारत की आजादी की लड़ाई में भाग लेने वाली

महिलाओं की अग्र पंक्ति में शुमार किया जाता है। अंग्रेजों से युद्ध कर नाको चने चबवा दिए और अन्त में नेपाल चलीं गईं। एक समृद्ध बंगाली परिवार में जन्मी अरुणा आसफ अली ने नमक आन्दोलन से राष्ट्रीय राजनीति में भागीदारी प्रारम्भ की। गैर कानूनी रूप से नमक बनाने पर कैद कर लिया गया और एक साल की सजा हुई। जेल से छूटने के बाद भी राजनीति में सक्रिय रहीं। 'अंग्रेजो भारत छोड़ो' आन्दोलन में भाग लिया। फलतः आपकी सम्पूर्ण सम्पत्ति जब्त कर ली गई। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पत्रिका 'इन्कलाब' का सम्पादन किया। हैदराबाद में 1879 ई. में जन्मी सरोजिनी नायडू की क्षमता को पहचान गोपाल कृष्ण गोखले ने इन्हें राष्ट्रीय राजनीति में आने का न्योता दिया। सरोजिनी पहली बार गाँधी से 1914 में लंदन में मिलीं। यह उनके साथ अफ्रीका भी गई और समाज संगठन के गुर सीखे। 1925 के कांग्रेस के कानपुर अधिवेशन की अध्यक्ष चुनीं गईं। गोलमेज सम्मेलन मे गाँधी जी के साथ लंदन गईं और भारत का जोरदार पक्ष रखा। देश की आजादी के बाद आपको उत्तर प्रदेश का राज्यपाल बनाया गया। भारत सरकार ने आपके जन्मदिन के अवसर पर 13.2.1964 को 15 पैसे का डाक टिकट जारी किया। मैडम भीकाजी कामा, कस्तूरबा गाँधी, दुर्गा भाभी, कमलादेवी चट्टोपाध्याय, विजयलक्ष्मी पंडित, लक्ष्मी मेनन, हंसाबेन मेहता, ऊदा देवी सदृश सहस्त्रों महिलाओं ने एक गणराज्य भारत बनाने के लिए अप्रतिम योगदान दिया है।

● **प्रमोद दीक्षित मलय**

दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है ...

कमलेश पांडेय

आखिर कबतक जटिल पूर्वाग्रहों से परेशान रहेगा भारत गणतंत्र?

भारत का गणतंत्र पूर्वाग्रहों जैसे जातिवाद, सांप्रदायिकता, भाषा जनित क्षेत्रवाद, वंशवाद, राजनीतिक पक्षपात और सामाजिक असमानताओं से जूझ रहा है जो संवैधानिक मूल्यों को कमजोर कर रहे हैं। खासकर गणतंत्र दिवस जैसे अवसरों पर ये मुद्दे अकसर उभरकर सामने आ जाते हैं, जहां लोकतंत्र की चुनौतियां स्पष्ट दिखती हैं। इसलिए कतिपय प्रमुख पूर्वाग्रहों पर चर्चा लाजिमी है जो इसे समदर्शी और सर्वसम्मत लोकतंत्र बनने देने की राह के सबसे बड़े रोड़े तब भी थे, आज भी हैं और अगर यही हालात बने रहे तो भविष्य में भी रहेंगे। लिहाजा प्रबुद्धजनों से लेकर आम आदमी के दिलोदिमाग में यह यक्ष प्रश्न बना हुआ है कि आखिर कबतक जटिल पूर्वाग्रहों से परेशान रहेगा भारत गणतंत्र? पिछली शताब्दी के अंतिम तीन भागों से लेकर मौजूदा शताब्दी के प्रथम भाग तक यानी पूरे सौ सालों में भारतीय शासन-प्रशासन की जो पूर्वाग्रही गतिविधियां दिखाई-सुनाई पड़ीं, उससे स्पष्ट प्रतीत होता है कि भारतीय गणतंत्र को दलित-आदिवासी-पिछड़े-अल्पसंख्यक-सवर्ण कोटि के अभिजात्य वर्गों के चंगुल से बाहर निकालना बहुत मुश्किल है। खासकर धर्मनिरपेक्षता ने तो एक पाकिस्तान दे देने के बाद कई और पाकिस्तान देने की पृष्ठभूमि तैयार कर दी है। शांतिपूर्ण सनातन भूमि पर ब्रेक के बाद होते रहने वाले सांप्रदायिक दंगे भी इसी बात की चुगली करते प्रतीत होते हैं। मीडिया और सोशल मीडिया की मुहिम हमारी धर्मनिरपेक्ष सोच

को खुली चुनौती देती है, लेकिन प्रशासनिक लाचारी भी जगजाहिर है, जिसे बदले बिना धर्मनिरपेक्ष पूर्वाग्रहों से मुक्ति पाना बिल्कुल कठिन है। वहीं, भारतीय संविधान से जिन दलितों, पिछड़ों, सवर्णों और अल्पसंख्यकों ने स्थायी लाभ लिए, अब वहीं इसे वंशानुगत बनाये रखने की सियासी तिकड़म रच रहे हैं। यह संवैधानिक लाभ महादलितों, अत्यंत पिछड़े लोगों, गरीब सवर्णों और पसमांदा लोगों तक पहुंचे, इसकी राह में तरह तरह से रोड़े अटकाए जाते हैं। जिस तरह से जातिवादी आरक्षण का दुरूपयोग हो रहा है और एक बार इसका लाभ ले चुके लोग अपने बच्चों के लिए दुबारा लाभ लेने से भी नहीं हिचकिचाते हैं, जिससे जरूरतमंद लोगों तक आरक्षण का लाभ पहुंचना मुश्किल हो रहा है। आरक्षण के जातीय स्वरूप, क्रीमीलेयर मानदंडों में अव्यवहारिक तर्क और एक ही व्यक्ति को बार बार निर्वाचन क्षेत्रों में आरक्षण देने या फिर एक ही परिवार को नौकरियों में बार बार आरक्षण का लाभ देते रहने से यह पवित्र सोच भी अब कलुषित हो चुकी है। समाज के अन्य लोगों में इससे सत्ता प्रतिष्ठान के प्रति गहरा रोष देखा जाता है। सच कहूं तो जातिवाद और सांप्रदायिकता जैसे पूर्वाग्रह समदर्शिता की राह के रोड़े बनकर भारतीय गणतंत्र की जड़ों को खोखला कर रही हैं जबकि सर्वसम्मति की जगह बहुमत वाला गणतंत्र अपने ही अल्पमत लोगों के नैसर्गिक हितों पर कुठाराघात करता प्रतीत होता है। आलम यह है कि प्रवासी मजदूरों और छात्रों तक को प्रताड़ित करने में साधन संपन्न वर्ग नहीं हिचकता और भीड़ का न्याय भी जहां तहां सम्पन्न लोगों के खिलाफ दिख जाता है। भारत में ब्रेक के बाद होने वाले जातीय या क्षेत्रीय/भाषाई दंगे इसी बात की तस्दीक करते हैं। दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि मीडिया और राजनैतिक विमर्श में पूर्वाग्रही ध्रुवीकरण बढ़ रहा है, जो नीतिगत मुद्दों को नजरअंदाज कर भावनात्मक विभाजन पैदा करता है। जहां कांग्रेस व क्षेत्रीय दलों की तुष्टीकरण वाली धर्मनिरपेक्ष राजनीति खतरनाक है, तो आरएसएस-बीजेपी की सेक्युलरिज्म विरोधी विचारधारा से भी लोग सांसत में रहने को अभिशप्त हैं। इसलिए बेहतर होगा कि संविधान के प्रस्तावना से 'समाजवादी' और 'सेक्युलर' शब्द हटाने की पहल की जाए, क्योंकि जाति व धर्म की आड़ में इनका दुरुपयोग हो रहा है। ऐसे में राजनीतिक विवाद स्वाभाविक बात है। आपने देखा होगा कि गणतंत्र दिवस परेड में दिल्ली के टेबलो को लगातार चौथी बार खारिज करने पर आप ने बीजेपी पर पूर्वाग्रह का आरोप लगाया, जबकि गुजरात-उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों को प्राथमिकता मिली। वहीं रक्षा मंत्रालय चयन प्रक्रिया को निष्पक्ष बताता है लेकिन विपक्ष इसे राजनीतिक प्रतिशोध मानता है। पंजाब जैसे राज्यों के टेबलो अस्वीकृति ने भी विवाद बढ़ाया। ऐसे में संवैधानिक चुनौतियां भी स्वाभाविक हैं। आपको पता होना चाहिए कि संविधान निर्माता डॉ भीम राव अंबेडकर ने स्पष्ट चेतावनी दी थी कि सामाजिक असमानताओं पर लोकतंत्र की 'टॉप ड्रेसिंग' विफल हो जाएगी जो आज मतदाता सूची शुद्धिकरण और नागरिकता संशोधन अधिनियम से साकार हो रही है। जहां कार्यपालिका का केंद्रीयकरण विधायिका-न्यायपालिका को कमजोर कर रहा है, वहीं UAPA जैसे कानून असहमति को दबाते हैं।

संविधान राष्ट्रीय ...

डॉ. सदानन्द गुप्ता

गणतंत्र : भारत की आत्मा, भारत की शक्ति

26 जनवरी केवल एक ऐतिहासिक तिथि नहीं, बल्कि भारत की संवैधानिक चेतना का उत्सव है। यही वह दिन है जब स्वतंत्र भारत ने स्वयं को एक संपूर्ण गणतंत्र के रूप में प्रतिष्ठित किया—जहाँ सत्ता का स्रोत जनता है, और शासन का उद्देश्य जनकल्याण। गणतंत्र का अर्थ केवल शासन प्रणाली नहीं, बल्कि न्याय, समानता, स्वतंत्रता और अवसरों की निरंतर यात्रा है। स्वतंत्रता के बाद भारत के सामने चुनौतियाँ असंख्य थीं—भूख, अशिक्षा, अविकसित अर्थव्यवस्था और सीमित संसाधन। किंतु गणतंत्र ने हमें वह संवैधानिक आधार दिया, जिसने भारत को कृषि प्रधान समाज से आधुनिक वैश्विक शक्ति बनने की दिशा में अग्रसर किया। आज भारत खाद्यान्न, दूध, फल-सब्ज़ी और दालों के उत्पादन में विश्व के अग्रणी देशों में है। हरित क्रांति से लेकर डिजिटल कृषि तक भारत ने आत्मनिर्भरता हासिल की। किसान आज केवल उत्पादक नहीं, बल्कि बाज़ार, प्रोसेसिंग और निर्यात श्रृंखला का सक्रिय भागीदार है। मेक इन इंडिया, पीएलआई योजनाओं और उद्यमशीलता के विस्तार ने भारत को विश्व की शीर्ष अर्थव्यवस्थाओं में स्थापित किया है। इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मा, ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल और रक्षा उत्पादन में भारत आज वैश्विक भरोसे का केंद्र बन चुका है। आईटी, स्टार्टअप, फिनटेक और डिजिटल गवर्नेंस ने भारत को ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था में परिवर्तित किया। यूपीआई, डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर ने शासन को पारदर्शी और सुलभ बनाया। चंद्रयान, मंगलयान और आदित्य-L1 जैसे मिशन भारत की वैज्ञानिक क्षमता के प्रतीक हैं। कम लागत और उच्च विश्वसनीयता के साथ भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम विश्व के लिए उदाहरण बन चुका है। आयुष्मान भारत, नई शिक्षा नीति और मेडिकल इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार ने मानव विकास के संकेतकों को सुदृढ़ किया है। गणतंत्र का वास्तविक अर्थ तभी सार्थक होता है, जब विकास हर नागरिक तक पहुँचे। एक्सप्रेसवे, वंदे भारत ट्रेनें, मेट्रो, पोर्ट, एयरपोर्ट और नवीकरणीय ऊर्जा—आज का भारत विकास को देखा और महसूस किया जा सकता है। ग्रीन एनर्जी और सस्टेनेबिलिटी अब भारत की नीति का मूल तत्व है। नमामि गंगे, जल जीवन मिशन और नदियों के पुनर्जीवन से भारत ने विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन स्थापित किया है। G20, वैश्विक दक्षिण की आवाज़ और अंतरराष्ट्रीय सहयोग में भारत की भूमिका यह दर्शाती है कि गणतंत्र भारत अब केवल सहभागी नहीं, बल्कि दिशा-निर्देशक है। उत्तर प्रदेश आज इंफ्रास्ट्रक्चर, निवेश, कानून-व्यवस्था और औद्योगिक विकास में नए भारत की प्रयोगशाला बन रहा है। गणतंत्र कोई ठहराव नहीं, बल्कि निरंतर प्रगति की चेतना है। यह हमें अधिकार देता है, और साथ ही कर्तव्य भी सौंपता है। आज का भारत आत्मविश्वासी है, समावेशी है और भविष्य के लिए तैयार है। यही गणतंत्र की सच्ची विजय है।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

ललित गर्ग

दुनिया जल के वैश्विक दिवालियापन की ओर बढ़ रही है

"जल है तो जीवन है"-यह पंक्ति कोई नारा भर नहीं, बल्कि मानव सभ्यता का शाश्वत सत्य है। बिना जल के जीवन की कल्पना भी संभव नहीं। किंतु विडंबना यह है कि जिस जल को हम जीवन का आधार मानते हैं, वही आज सबसे अधिक संकटग्रस्त संसाधन बन चुका है। देश-दुनिया में जल संकट के हालात विकराल हो चुके हैं और यह संकट अब केवल प्राकृतिक नहीं, बल्कि मानवीय लापरवाही, भ्रष्टाचार और मूल्यहीन शासन का भी परिणाम बनता जा रहा है। विश्व स्तर पर लगभग 25 देश अत्यधिक जल तनाव से जूझ रहे हैं। चार अरब से अधिक लोग वर्ष में कम से कम एक माह पानी की गंभीर कमी का सामना करते हैं। मध्य पूर्व, उत्तरी अफ्रीका और दक्षिण एशिया जैसे क्षेत्र इस संकट की अग्रिम पंक्ति में खड़े हैं। भारत भी इससे अछूता नहीं है। यहां 60 करोड़ से अधिक लोग उच्च जल तनाव वाले क्षेत्रों में रहते हैं। राजस्थान, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा और तमिलनाडु जैसे राज्य सबसे अधिक प्रभावित हैं, जबकि चेन्नई, बेंगलूरु और दिल्ली जैसे महानगरों में पानी की कमी रोजमर्रा की समस्या बन चुकी है। दरअसल, जल संकट अब 'वाटर स्ट्रेस' से आगे बढ़कर 'ग्लोबल वाटर बैंक्रप्सी' यानी दुनिया जल के वैश्विक दिवालियेपन की ओर बढ़ रही है। स्थिति यह है कि जल स्रोतों का दोहन इतनी तीव्रता से हो रहा है कि उनकी प्राकृतिक भरपाई असंभव होती जा रही है। भूजल स्तर निरंतर गिर रहा है, नदियां सूख रही हैं और तालाब अतिक्रमण की भेंट चढ़ रहे हैं। यह संकट केवल पर्यावरणीय नहीं, बल्कि सामाजिक, आर्थिक और नैतिक संकट भी है। जल संकट का सीधा प्रभाव अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। कृषि, उद्योग और ऊर्जा-तीनों ही क्षेत्र पानी पर निर्भर हैं। जब खेतों को पानी नहीं मिलता, उद्योग ठप होते हैं और बिजली उत्पादन प्रभावित होता है, तो देश की जीडीपी में 6 प्रतिशत तक की कमी का खतरा उत्पन्न हो जाता है। आमजन के लिए यह संकट जीवन और मृत्यु के बीच का अंतर बन जाता है। जहां पानी पर्याप्त है, वहां बर्बादी हो रही है और जहां पानी की सबसे अधिक आवश्यकता है, वहां लोग बूंद-बूंद को तरस रहे हैं। भारत सरकार ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जल संरक्षण को राष्ट्रीय प्राथमिकता का विषय बनाया है। जल जीवन मिशन, अटल भूजल योजना और प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना जैसे कार्यक्रम इसी दिशा में ऐतिहासिक पहल हैं। जल जीवन मिशन का लक्ष्य हर घर तक नल से जल पहुंचाना है, ताकि स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित किया जा सके। अटल भूजल योजना भूजल के सतत प्रबंधन और सामुदायिक सहभागिता पर केंद्रित है। प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना "हर खेत को पानी" के संकल्प को साकार करने का प्रयास है। इसके साथ ही जल शक्ति अभियान के तहत वर्षा जल संचयन, जल संरक्षण और जनभागीदारी पर विशेष जोर दिया गया। इन योजनाओं ने निश्चित रूप से जल संरक्षण के प्रति राष्ट्रीय चेतना को जाग्रत किया है। कई क्षेत्रों में वर्षा जल संचयन संरचनाएं बनी हैं, ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई को बढ़ावा मिला है और भूजल पुनर्भरण के प्रयास हुए हैं। लेकिन इस सकारात्मक तस्वीर के पीछे एक कड़वी सच्चाई भी छिपी है- प्रशासनिक भ्रष्टाचार। यही वह दीमक है जो इन योजनाओं की उपयोगिता और प्रासंगिकता को नष्ट कर रही है, उन्हें मूल्यहीन बना रही है। जल संकट से जुड़ी योजनाओं में भ्रष्टाचार कई रूपों में दिखाई देता है-घटिया निर्माण, फर्जी आंकड़े, अधूरी परियोजनाएं, कमीशनखोरी और जवाबदेही का अभाव। कहीं कागजों में ही वर्षा जल संचयन संरचनाएं बन जाती हैं, तो कहीं पाइपलाइन बिछाने में घटिया सामग्री का उपयोग होता है। कई स्थानों पर योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंच ही नहीं पाता। परिणाम यह होता है कि करोड़ों रुपये खर्च हो जाते हैं, लेकिन न पानी मिलता है और न संकट कम होता है। भ्रष्टाचार केवल धन की बर्बादी नहीं करता, वह भविष्य की पीढ़ियों का अधिकार भी छीन लेता है। इन जटिल होती जल संकट स्थितियों के प्रति नहीं चेते तो आने वाली पीढ़ियों को बूंद-बूंद के लिये तरसना पडेगा। जल जैसे जीवनदायी संसाधन के साथ किया गया भ्रष्टाचार वास्तव में मानवता के साथ अपराध है। जब जल संरक्षण की योजनाएं कागजों में सिमट जाती हैं, तब जल संकट और भी गहरा हो जाता है। यही कारण है कि आज योजनाएं तो हैं, नीतियां भी हैं, लेकिन परिणाम अपेक्षित नहीं हैं। इसके साथ ही जलवायु परिवर्तन, अतिदोहन, अनियंत्रित शहरीकरण और खराब प्रबंधन इस संकट को और बढ़ा रहे हैं। नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को रोका गया, तालाब पाट दिए गए और जंगलों का विनाश किया गया। परिणामस्वरूप वर्षा का पैटर्न बदल गया और जल स्रोत सूखते चले गए। यह स्पष्ट है कि केवल सरकारी योजनाओं से ही समाधान संभव नहीं, जब तक समाज स्वयं जिम्मेदारी न ले। दुनिया के अन्य देशों से हमें बहुत कुछ सीखने की आवश्यकता है। इजराइल में ड्रिप इरिगेशन और डिसेलिनेशन तकनीक से 90 प्रतिशत तक पानी का पुनर्चक्रण किया जा रहा है। ऑस्ट्रेलिया में वाटर ट्रेडिंग के माध्यम से जल संसाधनों का न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित किया गया है। अमेरिका में अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग और यूरोप में स्मार्ट वाटर मैनेजमेंट सिस्टम जल संकट से निपटने के प्रभावी उपाय बने हैं। भारत में भी राजस्थान जैसे राज्यों में जोहड़, खादिन और बावड़ियों जैसे पारंपरिक जल संरचनाएं आज भी प्रेरणा का स्रोत हैं। समाधान का रास्ता स्पष्ट है-कठोर नीतियां, पारदर्शी प्रशासन और जनभागीदारी। जल संरक्षण से जुड़ी योजनाओं में भ्रष्टाचार के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' नीति अपनानी होगी। तकनीक का उपयोग कर निगरानी और सामाजिक ऑडिट को अनिवार्य बनाना होगा। आमजन को भी जागरूक होना पड़ेगा कि वर्षा जल संचयन, जल की बचत, ड्रिप सिंचाई और अपशिष्ट जल का पुनः उपयोग केवल विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता हैं।

आईसीसी ने चेतावनी दी, पाक ने बांग्लादेश के समर्थन में टूर्नामेंट से हटने के संकेत दिए

पाकिस्तान ने टी-20 वर्ल्डकप छोड़ा तो पीएसएल की एनओसी छिनेगी

नई दिल्ली, एजेंसी

इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (ICC) ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) को चेतावनी दी है कि अगर पाकिस्तान टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर होता है, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, ICC बोर्ड पाकिस्तान को इंटरनेशनल क्रिकेट में पूरी तरह अलग-थलग करने की तैयारी में है। उसे भविष्य की सभी द्विपक्षीय (Bilateral) सीरीज और एशिया कप से बाहर कर सकता है। ICC बोर्ड के सदस्यों के बीच ऐसी पॉलिसी लाने पर विचार हो रहा है, जिससे विदेशी खिलाड़ी पाकिस्तान सुपर लीग (PSL) में हिस्सा न ले सकें। इसके लिए संबंधित देशों के क्रिकेट बोर्ड अपने खिलाड़ियों को नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (NOC) देना बंद कर सकते हैं। यह विवाद तब शुरू हुआ जब PCB चीफ मोहसिन नकवी ने बांग्लादेश का समर्थन करते हुए टूर्नामेंट से हटने के संकेत दिए। दरअसल, बांग्लादेश ने सुरक्षा कारणों का हवाला देकर भारत में वर्ल्ड कप खेलने से मना कर दिया था, जिसके बाद ICC ने शनिवार को बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को शामिल कर लिया। मोहसिन नकवी ने कहा था।

पाकिस्तान और भारत टी-20 वर्ल्ड कप के एक ही ग्रुप में हैं। दोनों 15 फरवरी को ग्रुप लीग में कोलंबो में आपस में भिड़ेंगे।

बांग्लादेश की मांग 14 देशों ने खारिज की

बांग्लादेश ने भारत में सुरक्षा का हवाला देते हुए अपने मैच श्रीलंका में कराने और ग्रुप बदलने की मांग की थी। गुरुवार को हुई ICC बोर्ड की मीटिंग में 16 में से 14 देशों ने बांग्लादेश की इस मांग को खारिज कर दिया था। ICC ने बांग्लादेश को फैसला बदलने के लिए एक दिन का समय दिया था।

मुस्तफिजुर को बाहर करने के कारण विवाद हुआ

16 दिसंबर के IPL ऑक्शन में बांग्लादेश के तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) ने 9.20 करोड़ रुपए में खरीदा। कुछ दिनों बाद बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा बढ़ गई और 7 हिंदू युवकों की हत्या भी कर दी गई।

> नकवी ने कहा- हम प्रधानमंत्री के लौटने का इंतजार कर रहे हैं। तभी हम फैसला लेंगे कि वर्ल्ड कप खेलना है हम अपने प्लान- ए, बी, सी और डी पर काम करेंगे। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने शनिवार शाम बांग्लादेश को वर्ल्ड कप से हटा दिया।

मोहसिन नकवी ने कहा कि जब भारत और पाकिस्तान को न्यूट्रल वेन्यू मिल रहे हैं तो बांग्लादेश को क्यों नहीं।

सुरक्षा से खुश नहीं था बांग्लादेश बोर्ड

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) की मांग थी कि उनके प्लेयर्स को भारत में खतरा है, इसलिए उनकी टीम के मैच श्रीलंका में कराए जाए। ICC ने सुरक्षा में कोई कमी नहीं बताई और बांग्लादेश को भारत में ही खेलने की हिदायत दी। बांग्लादेश फिर भी खेलने के लिए नहीं माना, इसलिए ICC ने उन्हें यूरोपियन टीम से रिप्लेस कर दिया मुस्तफिजुर को हटाए जाने के बाद बांग्लादेश सरकार ने अपने देश में IPL के प्रसारण पर बैन लगा दिया।

डब्ल्यूपीएल में आरसीबी की पहली हार

दिल्ली कैपिटल्स 7 विकेट से जीती, नंदनी शर्मा को 3 विकेट, वोलवार्ट ने 42 रन बनाए

नई दिल्ली, एजेंसी

विमेंस प्रीमियर लीग (WPL) के चौथे सीजन में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) को लगातार पांच जीत के बाद पहली हार मिली। वडोदरा में शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स ने RCB को 7 विकेट से हरा दिया। तेज गेंदबाज नंदनी शर्मा ने 3 विकेट लिए। वहीं लौरा वोलवार्ट ने 42 रन बनाए। कोटाम्बी स्टेडियम में दिल्ली ने बॉलिंग चुनी। ग्रेस हैरिस और कप्तान स्मृति मंधाना ने 36 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की। हैरिस 9 रन बनाकर आउट हुईं। उनके बाद मंधाना 38 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। इस विकेट के बाद टीम का बिखरना शुरू हो गया। जॉर्जिया वोल 11, गौतमी नायक 3, विकेटकीपर ऋचा घोष 5, राधा यादव 18 और नदीन डी क्लर्क 5 रन बनाकर आउट हो गईं। टीम 109 रन पर सिमट गई। दिल्ली से नंदनी शर्मा ने 3 विकेट लिए। शिनेल हेनरी, मारिजान कैप और मिन्नु मणि को 2-2 विकेट मिले। श्री चरणी ने 1 विकेट लिया। 110 रन के टारगेट के सामने दिल्ली ने 24 रन पर 2 विकेट गंवा दिए। शेफाली वर्मा 16 और लिजेल ली 6 रन बनाकर आउट हो गईं। लौरा वोलवार्ट ने फिर कप्तान जेमिमा रोड्रिग्ज के साथ फिफ्टी पार्टनरशिप कर ली। जेमिमा 24 रन बनाकर आउट हुईं। मारिजान कैप ने आखिर में 19 रन बनाकर टीम को 16वें ओवर में जीत दिला दी। वोलवार्ट 42 रन बनाकर नॉटआउट लौटीं। बेंगलुरु से सयाली साटघरे ने 18 रन देकर 2 विकेट लिए। राधा यादव को 1 विकेट मिला। लौरेन बेल, अरुंधति रेड्डी, श्रेयांका पाटील, नदीन डी क्लर्क और जॉर्जिया वोल कोई विकेट नहीं ले सकीं। चौथे सीजन में लगातार दूसरी जीत से दिल्ली कैपिटल्स ने पॉइंट्स टेबल में दूसरा स्थान हासिल कर लिया। टीम के 6 मैचों में 3 जीत से 6 पॉइंट्स हैं। गुजरात इतने ही पॉइंट्स लेकर तीसरे नंबर पर है। मुंबई चौथे और यूपी पांचवें नंबर पर हैं, दोनों के 4-4 पॉइंट्स हैं। बेंगलुरु 10 पॉइंट्स के साथ पहले नंबर पर है, टीम प्लेऑफ में भी जगह बना चुकी है।

फास्ट न्यूज

अंडर-19 वर्ल्डकप में भारत की लगातार तीसरी जीत

बुलावायो। भारत ने जिम्बाब्वे के बुलावायो में चल रहे अंडर-19 वर्ल्ड कप में लगातार तीसरी जीत दर्ज की। टीम ने शनिवार को न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया। भारतीय टीम ने 130 रन का संशोधित लक्ष्य 13.3 ओवर में 3 विकेट पर हासिल कर लिया। कप्तान आयुष म्हात्रे ने 27 बॉल पर 53 रन की पारी खेली। उनकी पारी में 2 चौके और 6 छक्के शामिल रहे। आयुष के अलावा, वैभव सूर्यवंशी ने 23 बॉल पर 40 रन बनाए। उन्होंने 2 चौके और 3 छक्के लगाए।

डबल पेनल्टी खत्म करने जैसे प्रस्तावों पर नजर

नई दिल्ली। आम बजट में मध्यम वर्ग और टैक्स पेयर्स को राहत मिलने की उम्मीद है। पति-पत्नी को संयुक्त रूप से इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने का विकल्प देने पर विचार हो सकता है। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट ऑफ इंडिया ने सुझाव दिया है कि शादीशुदा जोड़ों को अलग-अलग रिटर्न के बजाय एक रिटर्न की सुविधा मिले, जिसमें टैक्स स्लैब और छूट संयुक्त रूप से लागू हों। हालांकि यदि पति-पत्नी दोनों वर्किंग है तो अलग-अलग रिटर्न फाइल करने का विकल्प भी होगा। संयुक्त रिटर्न फाइल करने पर वे तब विचार कर सकते हैं जब उन्हें इसका फायदा मिल रहा हो। सुझाव के पीछे तर्क यह है कि भारत में बड़ी संख्या में ऐसे परिवार हैं, जहां आय का मुख्य स्रोत केवल एक व्यक्ति है। मौजूदा व्यक्तिगत टैक्स स्लैब के चलते इन परिवारों को सीमित छूट का ही फायदा मिल पाता है।

चांदी इस हफ्ते ₹35,815 बढ़कर ₹3.17 लाख पर पहुंची

नई दिल्ली। इस हफ्ते सोने-चांदी के दाम में बढ़त रही। सोना 12,717 रुपए बढ़कर 1,54,310 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इससे पहले ये बीते हफ्ते यानी 16 जनवरी, शुक्रवार को 1,41,593 रुपए पर था। वहीं चांदी 2,81,890 किलो से बढ़कर 3,17,705 रुपए पर पहुंच गई है। यानी इसकी कीमत 35,815 रुपए बढ़ी है। इस साल सिर्फ 23 दिनों में सोना 21,115 रुपए और चांदी 81,285 रुपए महंगी हो चुकी है।

चहल से दोस्ती टूटने के बाद महवश का क्रिप्टिक पोस्ट

बोलीं- लाइफ को फिक्स कर रही, हाल ही में एक-दूसरे को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो किया है

नई दिल्ली। RJ और कंटेंट क्रिएटर महवश की हालिया सोशल मीडिया एक्टिविटी ने एक बार फिर भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल के साथ उनके रिश्ते को लेकर चर्चाओं को हवा दे दी है। इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो करने के कुछ ही दिनों बाद महवश ने एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया, जिसने फैंस का ध्यान खींचा है। शुक्रवार को महवश ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपनी एक छोटी सी वीडियो क्लिप शेयर की, जिसमें वह कार में बैठकर बाल ठीक करती नजर आ रही हैं। वीडियो के साथ उन्होंने लिखा- "90% समय आप मुझे अपने बाल फिक्स करते हुए देखेंगे। बाकी समय मैं अपनी लाइफ को फिक्स कर रही होती हूं।" इसके साथ उन्होंने हंसने वाला इमोजी भी लगाया। इसके बाद एक और स्टोरी में महवश ने अपनी तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, "आपके जीवन में शांति की दुआ कर रही हूं।" सोशल मीडिया यूजर्स इन पोस्ट्स को उनकी पर्सनल

लाइफ से जुड़ी चल रही चर्चाओं से जोड़कर देख रहे हैं। महवश की ये पोस्ट्स ऐसे समय पर सामने आई हैं, जब हाल ही में उन्होंने और युजवेंद्र चहल ने इंस्टाग्राम पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया। हालांकि, दोनों में से किसी ने भी इस अनफॉलो के पीछे की वजह पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। गौरतलब है कि चहल और महवश के रिश्ते को लेकर लंबे समय से अटकलें लगती रही हैं, खासकर 2025 में चहल के कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा से तलाक के बाद। दोनों को कई मौकों पर साथ देखा गया, जिसके बाद डेटिंग की खबरें तेज हो गईं।

करण जौहर बोले- अगर ऐश्वर्या फिल्म के लिए मना कर देतीं, तो यह प्रोजेक्ट ही नहीं बनता

बिना ऐश्वर्या राय के अधूरी थी 'ऐ दिल है मुश्किल'

नई दिल्ली। बॉलीवुड की कुछ फिल्में ऐसी होती हैं, जो अपने दमदार किरदारों और कलाकारों की वजह से दर्शकों के दिलों में खास जगह बना लेती हैं। साल 2016 में रिलीज हुई फिल्म 'ऐ दिल है मुश्किल' भी ऐसी ही एक यादगार फिल्म रही, जिसे लेकर अब फिल्ममेकर करण जौहर ने बड़ा खुलासा किया है। करण जौहर ने बताया कि यह फिल्म ऐश्वर्या राय बच्चन के बिना बन ही नहीं सकती थी। अगर ऐश्वर्या इस फिल्म के लिए मना कर देतीं, तो वह इस प्रोजेक्ट को आगे नहीं बढ़ाते। 'ऐ दिल है मुश्किल' ने रिलीज के बाद बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया था। फिल्म को दर्शकों का खूब प्यार मिला और यह सुपरहिट साबित हुई। फिल्म में रणबीर कपूर, अनुष्का शर्मा और ऐश्वर्या राय की केमिस्ट्री को काफी सराहा गया था। इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर काफी प्रतिक्रिया देखने को मिली थी।

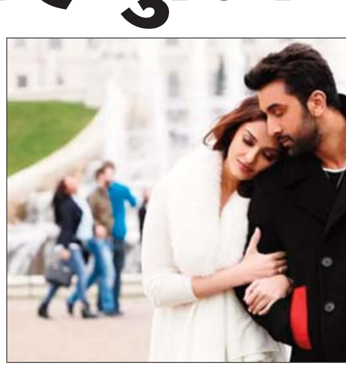

इंटीमेट सीन्स को लेकर हुआ था विवाद

हालांकि, फिल्म की सफलता के साथ-साथ ऐश्वर्या राय को विवादों का भी सामना करना पड़ा था। रणबीर कपूर के साथ उनके इंटीमेट सीन्स को लेकर काफी चर्चा हुई थी। उस समय उनकी निजी जिंदगी को लेकर भी कई तरह की बातें सामने आई थीं। कहा जाता है कि इन सीनों को लेकर ऐश्वर्या के परिवार में भी नाराजगी देखने को मिली थी।

> फिल्म के प्रमोशन के दौरान करण जौहर ने एक इंटरव्यू में कहा था कि अगर रणबीर कपूर या अनुष्का शर्मा फिल्म से बाहर होते, तो उनके पास दूसरे विकल्प मौजूद थे। लेकिन सबा के किरदार के लिए उनके पास कोई और विकल्प नहीं था। करण जौहर ने कहा था कि यह किरदार सिर्फ ऐश्वर्या ही निभा सकती थीं और उनके बिना फिल्म की कल्पना भी संभव नहीं थी।

नाटो देशों की नाराजगी के बाद ट्रम्प ने बदला सुर

ब्रिटिश सैनिकों की तारीफ की, कहा- अफगानिस्तान में जो शहीद हुए, वे महान योद्धा

वॉशिंगटन, एजेंसी

अफगानिस्तान युद्ध में NATO की भूमिका पर विवादित बयान के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने डैमेज कंट्रोल की कोशिश की है। शनिवार को उन्होंने ब्रिटिश सैनिकों की तारीफ करते हुए अफगानिस्तान युद्ध में उनकी कुर्बानियों को याद किया। ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा कि ब्रिटेन के महान और बेहद बहादुर सैनिक हमेशा अमेरिका के साथ रहेंगे। उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में 457 ब्रिटिश सैनिक मारे गए, कई गंभीर रूप से घायल हुए और वे दुनिया के सबसे महान योद्धाओं में शामिल थे। जब उन्होंने इस हफ्ते एक इंटरव्यू में कहा था कि NATO देशों ने अफगानिस्तान में सीमित भूमिका निभाई और वे फ्रंटलाइन से दूर रहे। उनकी इस टिप्पणी से NATO के सहयोगी देशों में नाराजगी फैल गई थी। आर्टिकल 5 लागू होते ही ब्रिटेन, इटली, डेनमार्क समेत NATO के कई सदस्य और साझेदार देश अमेरिका के समर्थन में अफगानिस्तान पहुंचे।

ब्रिटेन ने ट्रम्प के बयान को अपमानजनक बताया था

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने ट्रम्प के बयान को "अपमानजनक और बेहद आपत्तिजनक" बताया। अफगानिस्तान युद्ध में हिस्सा ले चुके प्रिंस हैरी ने भी कहा कि NATO सैनिकों की कुर्बानियों को सम्मान और सच्चाई के साथ याद किया जाना चाहिए। स्टार्मर ने शनिवार को ट्रम्प से फोन पर बात की। डाउनिंग स्ट्रीट के मुताबिक, बातचीत में अफगानिस्तान में साथ लड़ने वाले ब्रिटिश और अमेरिकी सैनिकों की बहादुरी और बलिदान पर चर्चा हुई।

आतंकी हमले के बाद अमेरिका ने नाटो देशों से मदद ली

11 सितंबर 2001 को अमेरिका के इतिहास का सबसे बड़ा आतंकी हमला हुआ था। अल-कायदा के आतंकियों ने चार यात्री विमानों को हाईजैक किया। इनमें से दो विमान न्यूयॉर्क के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की जुड़वां इमारतों से टकराए, एक विमान पेंटागन से और चौथा विमान पेंसिल्वेनिया में गिरा। इन हमलों में करीब 3,000 लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद अमेरिका ने इसे सिर्फ आतंकी हमला नहीं, बल्कि अपने देश पर सीधा युद्ध बताया। इसी के बाद अमेरिका ने NATO से औपचारिक मदद मांगी। NATO ने पहली बार अपने इतिहास में आर्टिकल 5 लागू किया। इस आर्टिकल के तहत यह माना जाता है कि संगठन के किसी एक सदस्य देश पर हमला, सभी सदस्य देशों पर हमला माना जाएगा।

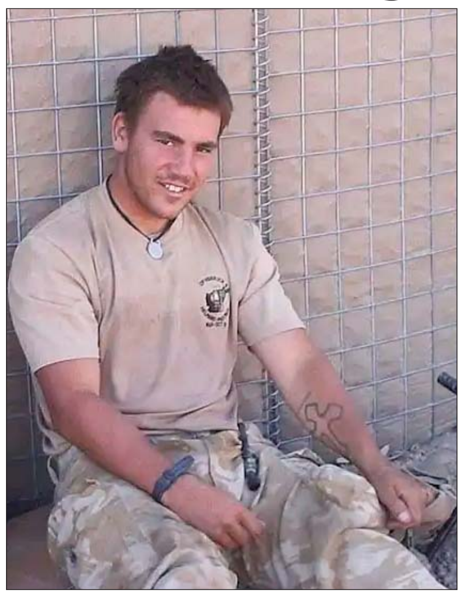

नाटो ने अफगानिस्तान में दो अभियान चलाए थे

अफगानिस्तान में NATO के तहत मुख्य रूप से दो बड़े अभियान चले, जिनमें ब्रिटेन, कनाडा, जर्मनी, फ्रांस, पोलैंड, डेनमार्क सहित दर्जनों देशों के हजारों सैनिकों ने हिस्सा लिया। पहला और सबसे बड़ा अभियान अंतर्राष्ट्रीय सुरक्षा सहायता बल (ISAF) था, जो 2001 से 2014 तक चला। इसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के आदेश पर शुरू किया गया और 2003 से नाटो ने इसका नेतृत्व संभाला।

बांग्लादेश में एक और हिंदू को जिंदा जलाया

दुकान में सो रहा था, बाहर से आग लगा दी, पिछले 40 दिनों में 10 हिंदुओं की हत्या

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश के नरसिंदी जिले में एक और हिंदू युवक की जिंदा जलाकर हत्या का मामला सामने आया है। 23 साल के चंचल चंद्र भौमिक का जला हुआ शव शुक्रवार रात एक दुकान के अंदर मिला। परिवार ने इसे सुनियोजित हत्या बताया है। घटना नरसिंदी शहर के पुलिस लाइंस से सटे मस्जिद मार्केट इलाके में हुई। चंचल जिस गैराज में काम करता था, उसी के अंदर उसका शव मिला। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। और CCTV फुटेज खंगाले जा रहे हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, घटना के वक्त चंचल गैराज के अंदर सो रहा था। रात के समय किसी ने बाहर से शटर पर पेट्रोल डाला और आग लगा दी। आग तेजी से अंदर फैल गई। इससे पहले 18 दिसंबर 2025 को मैमनसिंह जिले में हिंदू युवक दीपू चंद्र दास को भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला था। उनके शव को पेड़ पर लटकाकर आग लगा दी गई थी। पिछले 40 दिनों 10 हिंदुओं की हत्या हो चुकी है। चंचल थककर दुकान में सो गया था। सीसीटीवी फुटेज के मुताबिक, अज्ञात हमलावरों ने बाहर से शटर पर पेट्रोल डाला और फिर आग लगा दी। आग तेजी से फैली। चंचल लॉक शटर की वजह से फंस गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि चंचल आग में फंसा रहा और काफी देर तक तड़पता रहा। वह मदद के लिए चीख रहा था, लेकिन बाहर से शटर लॉक था।

दावा : मुकदमे में दावा- मेटा आपकी प्राइवेट चैट्स देख सकता है, कंपनी ने आरोपों को फर्जी बताया

वॉट्सएप के एंड-टू-एंड एनक्रिप्शन पर सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी

दुनिया के सबसे पॉपुलर मैसेजिंग एप वॉट्सएप की पेरेंट कंपनी मेटा एक बार फिर प्राइवेसी को लेकर आरोपों के घेरे में है। सैन फ्रांसिस्को की एक फेडरल कोर्ट में दायर नए मुकदमे में दावा किया गया है कि कंपनी यूजर्स के उन चैट्स को भी देख सकती है, जिन्हें वह एंड-टू-एंड एनक्रिप्टेड (E2E) बताकर पूरी तरह सुरक्षित होने का दावा करती है। ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, भारत, मैक्सिको और दक्षिण अफ्रीका के यूजर्स के एक ग्रुप ने यह क्लास-एक्शन मुकदमा दायर किया है। अमेरिका की एक कोर्ट में दायर मुकदमे में कहा गया है कि मेटा और वॉट्सएप अपने अरबों यूजर्स को सुरक्षा के नाम पर गुमराह कर रहे हैं। याचिकाकर्ताओं का दावा है कि कंपनी के पास लगभग सभी प्राइवेट बातचीत को स्टोर करने, उसका एनालिसिस करने और उसे एक्सेस करने की क्षमता है। वहीं मेटा ने इन आरोपों को खारिज किया है। कंपनी के प्रवक्ता का कहना है कि यह मुकदमा पूरी तरह से आधारहीन है और वे याचिकाकर्ताओं के वकील के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग करेंगे। वॉट्सएप का दावा है कि उसके एप पर होने वाली हर चैट एंड-टू-एंड एनक्रिप्टेड होती है। इसका मतलब है कि जब आप कोई मैसेज भेजते हैं, तो वह एक सीक्रेट कोड में बदल जाता है जिसे केवल रिसीवर का फोन ही डिकोड कर सकता है। कंपनी का कहना है कि बीच में न तो वॉट्सएप और न ही उसकी पेरेंट कंपनी मेटा इस मैसेज को पढ़ सकती है। ताजा मुकदमे ने इसी दावे की सच्चाई पर सवाल उठाए हैं।

5 देशों के यूजर्स ने की शिकायत

इस कानूनी कार्रवाई में भारत भी शामिल है। भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, मैक्सिको और दक्षिण अफ्रीका के यूजर्स इस क्लास-एक्शन सूट का हिस्सा हैं। अगर कोर्ट इसे क्लास-एक्शन के तौर पर मंजूरी दे देती है, तो दुनिया भर के करोड़ों यूजर्स इस मुकदमे के दायरे में आ सकते हैं और भविष्य में मेटा को भारी जुर्माना भी भरना पड़ सकता है।

यह मुकदमे काल्पनिक कहानी

मेटा के प्रवक्ता एंडी स्टोन ने कहा, 'यह दावा करना कि लोगों के वॉट्सएप मैसेज एनक्रिप्टेड नहीं हैं, पूरी तरह से गलत और हास्यास्पद है।' उन्होंने स्पष्ट किया कि वॉट्सएप पिछले एक दशक से सिग्नल प्रोटोकॉल का इस्तेमाल कर रहा है, जो सुरक्षा के मामले में दुनिया भर में मानक माना जाता है। कंपनी ने इस मुकदमे को फिक्शन (काल्पनिक कहानी) करार दिया है।

क्या होता है एंड-टू-एंड एनक्रिप्शन?

वॉट्सएप का दावा है कि उसके एप पर होने वाली हर चैट एंड-टू-एंड एनक्रिप्टेड होती है। इसका मतलब है कि जब आप कोई मैसेज भेजते हैं, तो वह एक सीक्रेट कोड में बदल जाता है जिसे केवल रिसीवर का फोन ही डिकोड कर सकता है। कंपनी का कहना है कि बीच में न तो वॉट्सएप और न ही उसकी पेरेंट कंपनी मेटा इस मैसेज को पढ़ सकती है। ताजा मुकदमे ने इसी दावे की सच्चाई पर सवाल उठाए हैं। मेटा (पहले फेसबुक) का प्राइवेसी रिकॉर्ड काफी विवादित रहा है। साल 2020 में कैम्ब्रिज एनालिटिका स्कैंडल के बाद कंपनी को 5 बिलियन डॉलर का जुर्माना भरना पड़ा था।

> मुकदमे में कहा गया है कि वॉट्सएप का यह दावा कि सिर्फ भेजने वाला और पाने वाला ही मैसेज पढ़ सकते हैं, असल में गलत है। याचिकाकर्ताओं के मुताबिक, मेटा के पास ऐसी तकनीक और एक्सेस है, जिससे वह यूजर्स के मैसेजेस को देख सकता है। इसमें कुछ व्हिसलब्लोअर्स के हवाले से भी जानकारी दी गई है। जिन्होंने दावा किया है कि मेटा के कर्मचारी जरूरत पड़ने पर यूजर्स के डेटा तक पहुंच बना सकते हैं।

लोग स्वदेशी सामान खरीदें : मार्क कार्नी

ट्रम्प की 100% टैरिफ धमकी के बाद कहा- हमारी अर्थव्यवस्था पर बाहरी खतरा

ओटावा, एजेंसी

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने ट्रम्प की टैरिफ धमकी के बाद देशवासियों से स्वदेशी सामान खरीदने की अपील की है कार्नी ने एक वीडियो संदेश जारी कर कहा कि कनाडा की अर्थव्यवस्था पर इस वक्त बाहरी खतरा है, इसलिए जो हमारे नियंत्रण में है, उसी पर ध्यान देना होगा। कार्नी का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कनाडा को चीन के साथ व्यापार समझौते करने पर कड़ी चेतावनी दी है। ट्रम्प ने कहा कि अगर कनाडा ने चीन के साथ व्यापारिक रिश्ते बढ़ाए, तो अमेरिका कनाडाई सामान पर 100 फीसदी टैरिफ लगाएगा। ट्रम्प ने शनिवार को ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए कनाडाई प्रधानमंत्री को 'गवर्नर कार्नी' कहा। उन्होंने लिखा कि अगर कार्नी कनाडा को चीन के लिए अमेरिका में सामान भेजने का 'ड्रॉप ऑफ पोर्ट' बनाना चाहते हैं, तो यह गलतफहमी है। इससे पहले शुक्रवार को भी ट्रम्प ने कहा था कि चीन, कनाडा को एक साल के अंदर ही खा जाएगा। दरअसल, कनाडा के

PM मार्क कार्नी ट्रम्प के 'गोल्डन डोम' मिसाइल प्रोजेक्ट का विरोध कर रहे हैं। ट्रम्प इससे नाराज हो गए हैं। अमेरिका और कनाडा दुनिया के उन गिने-चुने देशों में हैं, जो एक-दूसरे के सबसे बड़े ट्रेड पार्टनर हैं। अमेरिका की सरकारी ट्रेड बॉडी USTR के मुताबिक दोनों देशों के बीच हर दिन औसतन 2 अरब डॉलर से ज्यादा का व्यापार होता है। अमेरिका को मिलने वाला कच्चा तेल, गैस और बिजली का बड़ा हिस्सा कनाडा से आता है। इसके अलावा ऑटो पार्ट्स, लकड़ी और कृषि उत्पाद भी अमेरिका में कनाडा से बड़े पैमाने पर जाते हैं। कनाडा अपने कुल निर्यात का बड़ा हिस्सा अमेरिका को भेजता है। मशीनरी, टेक्नोलॉजी, दवाइयां और उपभोक्ता सामान के मामले में कनाडा अमेरिका पर काफी हद तक निर्भर है। अमेरिका और कनाडा बीच गहरे व्यापारिक रिश्तों की नींव 1989 में पड़ी, जब पहला फ्री ट्रेड एग्रीमेंट हुआ। 1994 में NAFTA लागू होने के बाद यह रिश्ता और मजबूत हुआ। इससे ऑटो, कृषि और मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की सप्लाई चेन अमेरिका-कनाडा सीमा के आर-पार जुड़ गई। 2020 में NAFTA की जगह USMCA लागू किया गया। इस समझौते के तहत ज्यादातर सामान बिना टैरिफ के आयात-निर्यात होता है और ट्रेड को ज्यादा नियमबद्ध बनाया गया। अमेरिका और कनाडा की कई फैक्ट्रियां एक ही प्रोडक्ट पर साथ-साथ काम करती हैं। उदाहरण के तौर पर एक कार का इंजन अमेरिका में बनता है, उसके पार्ट्स कनाडा में फिट होते हैं और फिर वह गाड़ी दोबारा अमेरिका लौटती है। कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने 13 जनवरी से 17 जनवरी तक चीन की यात्रा की और वहां व्यापार समझौते किए। रिपोर्ट्स के मुताबिक ट्रम्प इससे नाराज बताए जा रहे हैं। करीब एक साल पहले कार्नी खुद चीन को कनाडा के सामने "सबसे बड़ा सुरक्षा खतरा" बता चुके थ।

एमएलसी को टांगकर ले गई पुलिस, सांसद धरने पर बैठे

पूछा- सरकार क्या छिपा रही?, मणिकर्णिका घाट जा रहा था सपा प्रतिनिधिमंडल

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी में सपा का 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल मणिकर्णिका घाट जाने पर अड़ा हुआ है। हालांकि, प्रतिनिधिमंडल के रवाना होने से पहले ही पुलिस प्रशासन ने सपा पदाधिकारियों और पार्टी से जुड़े नेताओं को नजरबंद कर दिया। इसके बावजूद प्रतिनिधिमंडल मणिकर्णिका घाट जाने की कोशिश कर रहा है। कई जगह पुलिस और सपाइयों के बीच नोकझोंक और धक्का-मुक्की भी हुई। उन्हें रोकने के लिए पुलिस ने कड़ी घेराबंदी की है। वाराणसी के सर्किट हाउस और सपा सांसद वीरेंद्र सिंह के आवास पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। इस दौरान सांसद वीरेंद्र सिंह की पुलिस से तीखी नोकझोंक भी हुई। बाद में सांसद वीरेंद्र सिंह सड़क पर धरने पर बैठ गए। मौके पर एडीएम सिटी भी पहुंच गए हैं। वहीं, फूलपुर से ओबीसी मोर्चा के प्रदेश सचिव पंधारी यादव सर्किट

हाउस पहुंचे, लेकिन पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। प्रतिनिधिमंडल का कहना है कि वे राजमाता अहिल्याबाई की मूर्ति को खंडित किए जाने की घटना की पूरी जानकारी लेने मणिकर्णिका घाट जाना चाहते हैं। वाराणसी में MLC आशुतोष सिन्हा ने कहा- आज के लिए एक कमेटी बनी है, जो 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल मणिकर्णिका घाट जा रहा था। अहिल्याबाई के द्वारा निर्मित घाट को तोड़ने का सच जानने और जांचने से रोका जा रहा है l BJP पूरी तरह से डर और सहमी है, हम और तमाम समाजवादी पार्टी नेताओं को चोलापुर थाने पर हिरासत में रखा गया है।

मणिकर्णिका घाट पर फोर्स की स्थिति समान्य

मणिकर्णिका घाट पर फोर्स की स्थिति समान्य है। लोगों का आना-जाना सुचारू रूप से चल रहा है। सांसद वीरेंद्र सिंह ने एडीएम सिटी को ज्ञापन सौंपने दिया है। ज्ञापन सौंपने के बाद उन्होंने अपना धरना समाप्त कर दिया। लहुराबीर चौराहे पर शव वाहनों को वापस लौटा दिया जा रहा है, जिससे शवयात्रियों को पैदल ही आगे जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

सपा का झंडा लगे वाहनों को डायवर्ट किया जा रहा

मणिकर्णिका घाट की ओर जा रहे लोगों को लहुराबीर चौराहे पर आईडी कार्ड चेक करने के बाद ही आगे जाने दिया जा रहा है। जेल खोलकर रखिए- मनोज राय धूपचंडी समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता और पूर्व राज्यमंत्री मनोज राय धूपचंडी ने कहा- PDA के महानायक अहिल्याबाई होल्कर की धरोहर बचाने की लड़ाई अब और बड़े आंदोलन का रूप लेगी1 सड़क, संसद और जेल तक गूंज नजर आएगी।

समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव राजू यादव को भी पुलिस चौराहे से घसीटते हुए वैन तक ले गई।

> सांसद वीरेंद्र सिंह ने कहा- जितने लोगों को पकड़ा गया है, उनको छोड़ दिया जाये। सभी प्रतिनिधियों ने एक पत्र पर हस्ताक्षर करके पत्रक देने की तैयारी में हैं। उन्होंने कहा कि अगर सरकार चाह ली है कि हमको नहीं जाने दिया जायेगा तो हम लोकतांत्रिक लोग हैं।

भाजपा कर रही संविधान की हत्या की- एमएलसी आशुतोष सिन्हा

वाराणसी में MLC आशुतोष सिन्हा ने कहा- आज के लिए एक कमेटी बनी है, जो 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल मणिकर्णिका घाट जा रहा था। अहिल्याबाई के द्वारा निर्मित घाट को तोड़ने का सच जानने और जांचने से रोका जा रहा है l BJP पूरी तरह से डर और सहमी है, हम और तमाम समाजवादी पार्टी नेताओं को चोलापुर थाने पर हिरासत में रखा गया है।

समाजवादी लोगों की नजरबंदी लोकतांत्रिक व्यवस्था की हत्या

समाजवादी पार्टी के प्रवक्ता और पूर्व राज्यमंत्री मनोज राय धूपचंडी ने कहा- बीजेपी देश में PDA के महानायक के वजूद और धरोहर को मिटाना चाहती है l हम सभी समाजवादी लोगों की नजरबंदी लोकतांत्रिक व्यवस्था की हत्या है।

पुलिस चौकी के पास कारोबारी को थार से कुचला

लखनऊ में 25 मिनट तक दोनों पैरों पर पहिया चढ़ाए रखा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के विभूति खंड थाना क्षेत्र में दबंगों ने पुलिस चौकी से चंद कदम की दूरी पर कारोबारी को थार से कुचल दिया। करीब 25 मिनट तक कारोबारी के दोनों पैरों पर गाड़ी चढ़ाए रखा। पुलिस ने आसपास के लोगों की मदद से उसे थार के पहिया के नीचे से बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया। गंभीर अवस्था में उसका उपचार चल रहा है। घटना समिट बिल्डिंग परिसर की है। पुलिस ने मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य की तलाश कर रही है। सरोजनीनगर के न्यू गुडोरा निवासी मोरंग कारोबारी पवन पटेल गुरुवार रात अपने दोस्त प्रशांत सचान और अन्य साथियों के साथ समिट बिल्डिंग स्थित क्लब में पार्टी करने पहुंचे। रात करीब 1 बजे सभी पार्किंग से बाहर निकल रहे थे, तभी परिसर में खड़ी थार और एक अन्य कार में सवार युवक आपस में झगड़ा करते दिखे। पवन के मुताबिक, उन्होंने

झगड़ा कर रहे युवकों को समझाने की कोशिश की तो वे भड़क गए और मारपीट शुरू कर दी। उनके दोस्त प्रशांत की चेन लूटने की कोशिश की। विरोध करने पर उन्हें थार से टक्कर मार दी और भागने लगे।आरोपियों को भागता देख प्रशांत ने सुरक्षा गार्ड से गेट बंद करने को कहा। इस पर आरोपी और उग्र हो गए।

फास्ट न्यूज

दौड़ी गदर के अमरीशपुरी की कार

लखनऊ। लखनऊ में रविवार को सड़क पर बेहद शानदार नजारा देखने को मिला। अवध हेरीटेज क्लब की ओर से गोमती नगर लोहिया पार्क से निशातगंज मेट्रो सिटी तक विंटेज कार रैली निकाली गई। इस रैली में जब 100 साल पुरानी 22 विंटेज कार दौड़ीं तो अलग ही रौनक देखने को मिली।

एसपी अर्पित विजयवर्गीय को मिला शौर्य का रजत पदक

गणतंत्र दिवस पर बाराबंकी पुलिस के लिए गौरव का क्षण

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर बाराबंकी के पुलिस अधीक्षक (एसपी) अर्पित विजयवर्गीय को शौर्य का रजत पदक प्रदान किया गया। उन्हें यह सम्मान उत्तर प्रदेश पुलिस में उत्कृष्ट सेवा, कर्तव्यनिष्ठा और साहसिक कार्यों के लिए उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक द्वारा दिया गया। पूरे उत्तर प्रदेश में एसपी पद पर कार्यरत अधिकारियों में अर्पित विजयवर्गीय एकमात्र अधिकारी हैं, जिन्हें इस प्रतिष्ठित पदक से सम्मानित किया गया है। यह उपलब्धि उनके व्यक्तिगत कार्य कौशल और नेतृत्व क्षमता के साथ-साथ बाराबंकी पुलिस की सशक्त कार्यप्रणाली और अनुशासन को भी दर्शाती है।

रणजी में यूपी के सफर का शर्मनाक अंत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश का रणजी ट्रॉफी अभियान झारखंड के हाथों करारी हार के साथ खत्म हो गया। इकाना स्टेडियम में खेले गए मैच में झारखंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और 6 विकेट पर 561 रन ठोके। यूपी पहली पारी में 176 पर ढेर होकर फॉलोऑन खेलना पड़ा दूसरी पारी में भी खराब प्रदर्शन जारी रहा। पहले सलामी जोड़ी 10 गेंदों में 9 रन पर सिमट गई। 61 रन पर 7 विकेट गिरे और टीम 84 पर ऑलआउट। आर्यन जुयाल ने 24 रन की टॉप स्कोर किया।

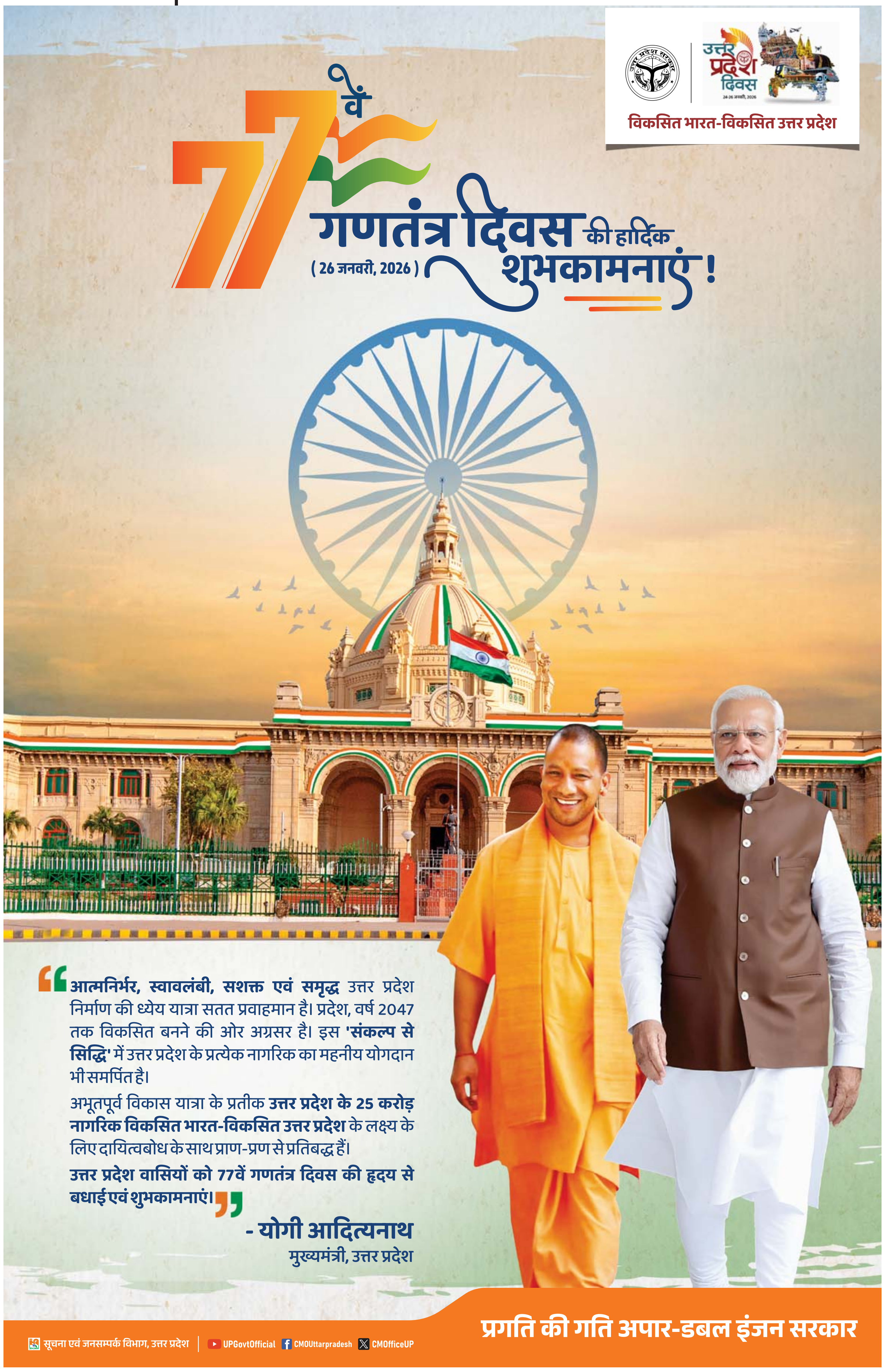

संविधान, लोकतंत्र और राष्ट्रीय एकता के सम्मान में निकली आप की तिरंगा पदयात्रा

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर आम आदमी पार्टी की भव्य तिरंगा पदयात्रा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर संविधान, लोकतंत्र और राष्ट्रीय एकता के प्रति अपनी अटूट आस्था व्यक्त करते हुए आम आदमी पार्टी, लखनऊ द्वारा एक भव्य एवं अनुशासित तिरंगा पदयात्रा का आयोजन किया गया। यह पदयात्रा जिला अध्यक्ष इरम रिजवी के नेतृत्व में निकाली गई। तिरंगा पदयात्रा का शुभारंभ छोटा इमाम बाड़ा से रूमी गेट हुसैनाबाद लखनऊ पहुँची जहाँ पूरे सम्मान और गरिमा के साथ इसका समापन किया गया। पदयात्रा के दौरान देशभक्ति गीतों की गूंज, हाथों में लहराता तिरंगा और "भारत माता की जय", "संविधान बचाओ–लोकतंत्र बचाओ" के नारों से पूरा वातावरण देशभक्ति और जनचेतना से ओतप्रोत रहा। इस तिरंगा पदयात्रा में आम आदमी पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक शामिल हुए। मार्ग में जगह-जगह स्थानीय लोगों ने पुष्पवर्षा कर पदयात्रा का भव्य स्वागत किया। प्रदेश प्रवक्ता प्रिंस सोनी इस अवसर पर कहा कि "आज देश में राष्ट्रवाद के नाम पर संविधान को कमजोर करने की कोशिशें की जा रही हैं। आम आदमी पार्टी स्पष्ट कहना चाहती है कि तिरंगे का सम्मान तभी सार्थक है, जब संविधान और लोकतंत्र सुरक्षित रहें।" उन्होंने कहा कि भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा लिखित संविधान देश के गरीब, दलित, पिछड़े, अल्पसंख्यक और आम नागरिक की ढाल है। जिला अध्यक्ष इरम रिजवी ने कहा कि"आज महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे मूल मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए जनता को बांटने की राजनीति की जा रही है।

> शिक्षक प्रकोष्ट प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह ने कहा कि "26 जनवरी केवल झंडा फहराने का दिन नहीं, बल्कि सत्ता से सवाल पूछने और संविधान के मूल्यों- समानता, न्याय और भाईचारे-की रक्षा का संकल्प लेने का दिन है।" उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि "यदि संविधान और लोकतंत्र पर किसी भी तरह का हमला हुआ, तो आम आदमी पार्टी सड़कों से लेकर सदन तक जनता की आवाज बनेगी।" कार्यक्रम के अंत में रूमी गेट पर सामूहिक राष्ट्रगान के साथ तिरंगा पदयात्रा का शांतिपूर्ण, गरिमामय और ऐतिहासिक समापन किया गया।

पृष्ठ 01 का शेष...

'जो मुखिया 12...

हमने अलंकार प्रोजेक्ट लाकर इंटर कॉलेज के भवन अलंकृत कर दिए। सीएम योगी ने ये बातें लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान स्थित जुपिटर हॉल में कही। उन्होंने सत्र 2025-26 के छात्र-छात्राओं के खाते में 944.55 करोड़ रुपए छात्रवृत्ति ट्रांसफर की। इस अवसर पर पंचायती राज, अल्पसंख्यक कल्याण, मुस्लिम वक्फ एवं हज मंत्री ओम प्रकाश राजभर, समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण, पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप, समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव कुमार गोंड तथा अल्पसंख्यक कल्याण, सरकार की कोशिश है कि गरीब, पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक समाज का हर छात्र बिना किसी भेदभाव के आगे बढ़े और अपनी प्रतिभा के बल पर प्रदेश व देश का नाम रोशन करे। उन्होंने कहा कि पैसा देकर नौकरी पाने वाले अफसर गरीबों का हक मारते थे, जिसका सबसे बड़ा नुकसान मेधावी और गरीब छात्रों को होता था। आज सरकार की प्राथमिकता है कि कोई भी छात्र केवल संसाधनों के अभाव में पढ़ाई से वंचित न रहे।

बेटियों ने क्रिकेट...

हमें गर्व है कि हम भारत भूमि पर जन्मे हैं। हमारे देश के लिए कवि गुरु रवींद्रनाथ ठाकुर ने कहा था- 'हे मेरे देश की मिट्टी, मैं तुम्हारे चरणों में अपना सिर झुकाता हूं।' अलग सेक्टर की भूमिका- हमारे पुलिसकर्मी और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस के जवान देश की आतंरिक रक्षा के लिए तत्पर रहते हैं। हमारे सेवाधर्मी डॉक्टर, नर्स, स्वास्थ्यकर्मी देशवासियों की सेवा करते हैं। हमारे इंजीनियर देश के विकास में भूमिका निभाते हैं। हमारी देश के संवेदनशील नागरिक देश को सशक्त बना रहे हैं। किसानों की दम पर कृषि प्रोडक्ट्स विदेश में भेजे जा रहे हैं। वंचित वर्ग की योजनाओं को लगातार बढ़ाया जा रहा है। महिलाओं का सक्रिय और समर्थ होना देश के विकास के लिए जरूरी है। उनके स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे राष्ट्रीय प्रयासों से अनेक क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है। पिछले साल हमारे देश ने ऑपरेशन सिंदूर से आतंकवाद के ठिकानों पर सटीक प्रहार किया। आतंक के अनेक ठिकानों को धवस्त किया गया। बहुत से आतंकवादियों को उनके अंजाम तक पहुंचाया गया। थल-सेना, वायुसेना और नौसेना की शक्ति के आधार पर हमारी सुरक्षा-क्षमता पर देशवासियों को पूरा भरोसा है।

तेजस्वी बने आरजेडी...

कार्यकारिणी की बैठक में इस मुद्दे पर ठोस और सख्त निर्णय लिए जाने की संभावना जताई जा रही है। बिहार की बेटियों का जो घटना हो रहा है, ये बहुत ही दुखद है। कहीं ना कहीं हम लोगों को लगता है कि सत्ता के संरक्षण में अधिकारियों के ऊपर बहुत सारा दबाव है। सत्ता के संरक्षण में रेप की घटनाएं फल फूल रहा है।' RJD नेता मुकेश रोशन ने कहा, 'कार्यकारी अध्यक्ष पद के लिए उन्हें हम लोग की तरफ से शुभकामनाएं हैं। हम लोग के नेता और बिहार के भविष्य तेजस्वी प्रसाद यादव जी आगे आएं और संगठन के मजबूती के लिए बिहार के हर एक युवा नौजवान को नौकरी और रोजगार दिलाने के लिए सड़क पर हो या सदन में हो, संघर्ष करें। हम सब उनके साथ हैं।' बैठक में RJD संगठन को नए सिरे से मजबूत करने और उसमें व्यापक फेरबदल पर भी विचार किया जाएगा। बदलते राजनीतिक हालात में पार्टी खुद को अधिक सक्रिय, आधुनिक और जमीनी स्तर पर मजबूत करने की रणनीति पर काम कर सकती है। विदेश यात्रा से लौटने के बाद तेजस्वी यादव पूरी तरह सक्रिय नजर आ रहे हैं। बीते गुरुवार और शुक्रवार को उन्होंने पटना स्थित अपने आवास पर पार्टी नेताओं के साथ लगातार बैठकें कीं। इनमें संगठन विस्तार, राज्य की राजनीति और प्रस्तावित बिहार दौरे को लेकर रणनीति बनाई गई। गौरतलब है कि बिहार विधानसभा चुनाव में RJD को बड़ी हार का सामना करना पड़ा था और पार्टी सिर्फ 25 सीटों पर सिमट गई थी। तेजस्वी यादव महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद का चेहरा थे। चुनाव के बाद विदेश यात्रा को लेकर वे सत्तापक्ष के निशाने पर भी रहे, लेकिन अब वापसी के बाद वे एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं।

गणतंत्र दिवस पर अमृत सरोवरो पर राष्ट्र प्रेम की भावना से परिपूर्ण कार्यक्रमों की होगी गूंज

श्री केशव प्रसाद मौर्य गांवों में बने अमृत सरोवरों पर मनाया जाएगा गणतन्त्र दिवस

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने गणतंत्र दिवस को समारोह पूर्वक पूरे उत्साह, उल्लास व उमंग के वातावरण मे भव्य तरीके से मनाने के लिये ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये हैं। उपमुख्यमंत्री के निर्देश के क्रम में, ग्राम्य विकास की ओर से समस्त जनपदों को आवश्यक दिशा निर्देश निर्गत कर दिये गये हैं। गणतन्त्र दिवस के उत्सव में सभी की भागीदारी सुनिश्चित हो सके, इस हेतु विभाग की ओर से संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों को ससमय तैयारी करने और कार्यक्रम आयोजित कराने के निर्देश जारी कर दिये गये हैं। उप उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य द्वाराप्रदेश की ग्राम पंचायतों में निर्मित और विकसित किये गये सभी अमृत सरोवर स्थलों

पर गणतन्त्र दिवस आयोजित के निर्देश दिये गये हैं। इस आयोजन को शानदार व सफल बनाने के लिए, सभी की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है, जिस हेतु गणतन्त्र दिवस के उपलक्ष्य पर अमृत सरोवर स्थलों पर किसी स्वतंत्रता सेनानी, स्वतंत्रता के बाद शहीद हुए किसी व्यक्ति के परिवार के सदस्य, किसी स्थानीय पद्म पुरस्कार विजेता, या स्थानीय ग्राम पंचायत के किसी वरिष्ठ नागरिक द्वारा तिरंगा फहराया जाने के निर्देश निर्गत किये गये हैं। इन व्यक्तियों का सम्मान किया जाना और उन्हें गौरवपूर्ण स्थान दिये जाने के भी निर्देश दिये गये हैं। समस्त जनपदों में स्थित ग्राम पंचायतों में निर्मित 'अमृत सरोवरों' पर भव्य उत्सव आयोजित करने के निर्देश जारी किए हैं । इस संबंध में जनपदों के समस्त उपायुक्त,श्रम रोजगार को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देश निर्गत किए गए हैं। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, पंचायत सदस्य, स्वयं सहायता समूह और स्कूली बच्चों की सक्रिय भागीदारी होगी। उत्सव को आकर्षक बनाने के लिए सरोवरों पर कई गतिविधियां होंगी। जिसमें सरोवरों के महत्व को समझाने के लिए 'हैरिटेज वॉक' निकाली जाएगी । छात्रों के लिए जल संरक्षण और पर्यावरण थीम पर पेंटिंग, निबंध और कविता प्रतियोगिताएं होंगी । सरोवरों पर सेल्फी पॉइंट बनाए जाएंगे और जहाँ संभव हो।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकिाशत लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676